भोपाल
11 जुलाई 2026 शनिवार

आज का मौसम
31.0 अधिकतम
25.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

सावधान... राजा भोज सेतु पर मौत को दावत देते खुले बिजली के तार

नागरिकों ने प्रशासन और बिजली विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के प्रमुख और व्यस्त मार्गों में शामिल राजा भोज सेतु पर खुले पड़े बिजली के तार लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। स्थानीय नागरिकों और प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों का कहना है कि इन खुले तारों के कारण हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

बरसात के मौसम में स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है। लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान पानी भरने या नमी बढ़ने से बिजली के तारों में करंट फैलने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे में राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और सफाई कर्मचारियों की जान जोखिम में पड़ सकती है।

राजा भोज सेतु से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों की ओर से अब तक न तो खुले तारों को सुरक्षित किया गया है और न ही किसी प्रकार के चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई दिनों से यह स्थिति बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। नागरिकों ने प्रशासन, नगर निगम और बिजली विभाग से मांग की है कि ओवरब्रिज का तत्काल निरीक्षण कराया जाए, खुले तारों को सुरक्षित किया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। लोगों का कहना है कि किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय प्रशासन को समय रहते आवश्यक कदम उठाने चाहिए, ताकि बरसात के मौसम में किसी गंभीर दुर्घटना से बचा जा सके।

लगातार दबिश के बावजूद गिरफ्त से बाहर हैं पूर्व जज के घर में चोरी करने वाले आरोपी

गुना-अशोकनगर की पारदी गैंग ने की चोरी, जांच में 6 बदमाशों की हुई पहचान

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के बागमुगालिया एक्सटेंशन स्थित पूर्व न्यायाधीश गिरिबाला सिंह के घर हुई सनसनीखेज चोरी की वारदात में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जांच में सामने आया है कि इस घटना को गुना और अशोकनगर क्षेत्र में सक्रिय पारदी गैंग ने अंजाम दिया था। पुलिस ने गैंग के छह बदमाशों की पहचान कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

मामले की जांच के लिए गठित आठ सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) तकनीकी और मैदानी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई कर रहा है। पुलिस का दावा है कि आरोपितों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हालांकि पिछले चार दिनों से पुलिस की टीम संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है, लेकिन आरोपी हर बार पुलिस के पहुंचने से पहले ही फरार हो जा रहे हैं।

गौरतलब है कि 29 जून की रात छह बदमाश मकान के पीछे के रास्ते से घर में दाखिल हुए थे। घटना के दौरान घर में गिरिबाला सिंह के भाई मौजूद थे। बदमाश कीमती जेवरात और अन्य सामान लेकर फरार होने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन पुलिस की सक्रियता के चलते कुछ सामान छोड़कर भाग निकले थे। मामले की जांच कटारा हिल्स थाना पुलिस और एसआईटी संयुक्त रूप से कर रही है।

चोरों ने एक करोड़ के जेवरों पर हाथ साफ किया

पूर्व न्यायाधीश गिरिबाला सिंह के पुत्र सिद्धार्थ सिंह के अनुसार चोरी की घटना में करीब एक करोड़ रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण चोरी हुए हैं। इनमें हार, चूड़ियां, झुमके, कंगन और अन्य कीमती जेवरात शामिल हैं। परिवार का कहना है कि घर में रखे अधिकांश दस्तावेज और अन्य जरूरी सामान सुरक्षित मिले, जबकि बदमाशों ने मुख्य रूप से कीमती आभूषणों को ही निशाना बनाया। घटना के बाद परिवार ने चोरी हुए सामान का विस्तृत ब्यौरा पुलिस को उपलब्ध कराया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक बरामद बैग और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर चोरी गए सामान की सूची तैयार की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद चोरी गए अधिकांश जेवर और अन्य सामान बरामद कर लिए जाएंगे।

तकनीकी जांच, मुखबिर तंत्र से आरोपितों तक पहुंची पुलिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए भोपाल पुलिस ने आठ सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया है। एसआईटी तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपितों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। जांच के दौरान पुलिस को कई महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिनके आधार पर गुना और अशोकनगर क्षेत्र में सक्रिय पारदी गैंग की संलिप्तता सामने आई। पुलिस टीम बीते चार दिनों से संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। हालांकि आरोपी पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही स्थान बदल रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि आरोपितों की पहचान पूरी तरह हो चुकी है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वारदात के बाद तीन आरोपी चोरी का सामान लेकर पैदल सड़क की ओर जा रहे थे। इसी दौरान क्षेत्र में गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों की नजर उन पर पड़ी और उन्होंने संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए उन्हें रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर बदमाश घबरा गए और अपने साथ ले जा रहे बैग को छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि यदि उस समय गश्ती दल सक्रिय नहीं होता तो आरोपित बड़ी मात्रा में कीमती सामान लेकर फरार हो सकते थे। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि बदमाशों ने घर में प्रवेश और बाहर निकलने के लिए पीछे के रास्ते का इस्तेमाल किया था। पुलिस अब इस पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ते हुए आरोपितों की तलाश में जुटी हुई है।

टिकट बुकिंग की आड़ में करते थे मनी लांड्रिंग

महादेव एप केस में आहूजा बंधुओं पर CBI का बड़ा एक्शन, लुकआउट सर्कुलर जारी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े कुख्यात महादेव एप के कर्ताधर्ताओं पर शिकंजा कस रहा है। मुख्य आरोपियों के करीबी सहयोगी और भोपाल के कारोबारी धीरज आहूजा और विशाल आहूजा के खिलाफ सीबीआई ने लुकआउट सर्कुलर जारी कर दिया है।रायपुर में सीबीआई की विशेष अदालत ने दोनों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

सूत्रों के मुताबिक, दोनों आरोपी इस समय देश छोड़कर भाग चुके हैं और उनके दुबई में होने की आशंका है। जांच एजेंसियों के अनुसार, भोपाल के शाहजहांनाबाद के परी बाजार इलाके में स्थित रैपिड ट्रेवल्स कंपनी के मालिक धीरज और विशाल आहूजा, महादेव एप के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर के बेहद करीबी माने जाते हैं।

ट्रेवल कंपनी की आड़ में सट्टेबाजी : यह कंपनी केवल नाम के लिए एक ट्रैवल एजेंसी थी, जबकि असल में इसके जरिए सट्टेबाजी से आने वाले रुपयों का हवाला में उपयोग किया जा रहा था। रैपिड ट्रेवल्स ही फेयरप्ले डाट काम, रेड्डी अन्ना और महादेव एप जैसी अवैध सट्टेबाजी वेबसाइटों का समर्थन और प्रचार करने वाले एप

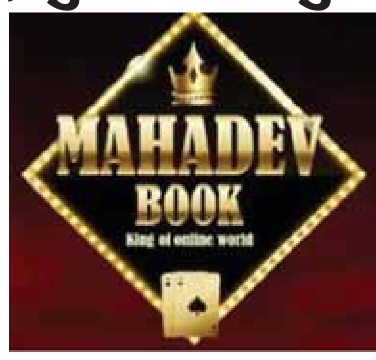

प्रमोटरों, उनके परिवार के सदस्यों, व्यापारिक सहयोगियों और बालीवुड की जानी-मानी हस्तियों (सेलिब्रिटीज) के पूरे टिकट संचालन का प्रबंधन करती थी।

वॉलेट बैलेंस और कैश का खेल : प्रवर्तन निदेशालय की जांच में सामने आया है कि आहूजा बंधुओं ने सट्टेबाजी से होने वाली बेहिसाब कमाई को मुख्य टिकट प्रदाताओं के पास जमा कराया। इसके बाद, ट्रैवल पोर्टल के वॉलेट बैलेंस का इस्तेमाल कर बड़े पैमाने पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई टिकट बुक किए गए। रैपिड ट्रेवल्स, महादेव समूह के अधिकांश भव्य आयोजनों के लिए यात्रा व्यवस्थाएं संभालने में सीधे तौर पर शामिल थी। इसमें दुबई में आयोजित होने वाला वार्षिक फिल्म के लिए दिए जाने वाले अवार्ड के कार्यक्रम भी शामिल था, जिसमें शामिल होने वाले वीआइपी और सेलिब्रिटीज के टिकट इसी कंपनी के जरिए बुक किए गए थे।

दुबई में करोड़ों का निवेश : जांच अधिकारियों का कहना है कि हवाला नेटवर्क के जरिए भारत और विदेशों में रकम भेजने के बदले दोनों भाइयों को भारी कमीशन मिलता था। इस काली कमाई के दम पर आहूजा भाइयों ने कुछ ही समय में करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति खड़ी कर ली है। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि सट्टेबाजी के इस पैसे का एक बड़ा हिस्सा दुबई के रियल एस्टेट में लगाया गया है, जहां दोनों ने महंगे होटलों और जमीनों में भारी निवेश किया है। फिलहाल सीबीआई और ईडी दोनों आरोपियों को भारत वापस लाने के लिए कानूनी शिकंजा कस रही हैं।

कोलार प्लांट : 7 घंटे बिजली बंद रहने से प्रभावित हुई जलापूर्ति

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिना पूर्व सूचना के कोलार जलशोधन संयंत्र की बिजली आपूर्ति बंद किए जाने से शुक्रवार को राजधानी में पेयजल संकट गहरा गया। सुबह से शाम तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण कोलार परियोजना से होने वाली शाम की जलापूर्ति प्रभावित हुई और शहर के कई इलाकों में नलों से पानी नहीं पहुंच सका।

नगर निगम के अनुसार कोलार जलशोधन संयंत्र की बिजली आपूर्ति शुक्रवार सुबह 10:24 बजे बंद हुई, जो शाम 5:30 बजे के बाद बहाल हो सकी। करीब सात घंटे तक बिजली नहीं मिलने से जलशोधन और पंपिंग का कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा, जिसका सीधा असर शहर की नियमित जलापूर्ति व्यवस्था पर पड़ा। जल संकट से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में शिवाजी नगर, तुलसी नगर, अरेरा कॉलोनी के ई-6 और ई-7 सेक्टर, राजीव नगर, पारस सिटी, दानापानी, आरिफ नगर, निशातपुरा, हमीदिया रोड, इब्राहिमपुरा, मंगलवारा, इतवारा, तलैया, बुधवारा, आजाद मार्केट और शास्त्री नगर सहित कई इलाके शामिल रहे। इसके अलावा बरखेड़ी कला, जनता क्वार्टर, बैंक कॉलोनी, शांति नगर, कबाड़खाना, छावनी और चौकी इमामबाड़ा क्षेत्र में भी जलापूर्ति प्रभावित रही। शाम के समय पानी नहीं मिलने से करीब डेढ़ लाख परिवारों के सात लाख से अधिक लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों को पेयजल के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं का सहारा लेना पड़ा, जबकि कई घरों में दैनिक और घरेलू कामकाज भी प्रभावित रहे। नागरिकों ने भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए बिजली और जलापूर्ति विभागों के बीच बेहतर समन्वय की मांग की है।

ब्रेकअप के बाद युवक ने प्रेमिका के घर में लगाई फांसी, किचन में लटका मिला शव

भोपाल। दोपहर मेट्रो

गांधीनगर थाना क्षेत्र में ब्रेकअप के बाद मानसिक तनाव से गुजर रहे एक युवक ने अपनी प्रेमिका के घर में घुसकर फांसी लगा ली। युवक आधी रात को घर की दीवार फांदकर भीतर पहुंचा और किचन में टीनशेड के पाइप से रेशम की रस्सी का फंदा बनाकर झूल गया। सुबह जब स्वजन उठे तो किचन में उसका शव लटका मिला। सूचना पर पहुंची गांधीनगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मृतक 22 वर्षीय मुकेश मालवीय विदिशा जिले के सिरोंज तहसील स्थित पामाखेड़ी गांव का निवासी था। वह किसान परिवार से था और कुछ समय पहले तक टीकमगढ़ की एक निजी कंपनी में कार्यरत था। इन दिनों वह राहुल नगर में रहने वाले अपने चाचा के घर आया हुआ था। इसी दौरान उसकी पास के टैगोर

वार्ड में रहने वाली एक युवती से दोस्ती हुई थी। दोनों के बीच लंबे समय से मोबाइल पर बातचीत होती थी। जांच अधिकारी एसआई कोमल सिंह के मुताबिक कुछ दिन पहले युवती के स्वजनों ने दोनों को बातचीत करते पकड़ लिया था। इसके बाद उन्होंने युवती को युवक से संपर्क रखने से मना कर दिया और उसका मोबाइल भी अपने पास रख लिया। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत पूरी तरह बंद हो गई। पुलिस का कहना है कि इसी कारण मुकेश मानसिक तनाव में रहने लगा था।

आधी रात को प्रेमिका के घर में लगाई फांसी : गुरुवार रात वह काफी देर तक कालोनी में इधर-उधर घूमता रहा। देर रात उसने प्रेमिका के घर की दीवार फांदकर प्रवेश किया। उस समय युवती, उसके माता-पिता और दादी अलग-अलग कमरों में सो रहे थे। किचन का दरवाजा खुला होने के कारण वह सीधे वहां पहुंचा और पाइप पर रेशम की रस्सी बांधकर फांसी लगा ली। शुक्रवार सुबह परिवार की नजर किचन में लटके शव पर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी गई। शुरुआती पूछताछ में युवती के स्वजनों ने युवक को पहचानने से इनकार किया और उससे किसी तरह का परिचय होने की बात नहीं मानी। हालांकि पुलिस की पूछताछ में बाद में उन्होंने दोनों के बीच दोस्ती और फोन पर बातचीत होने की बात स्वीकार कर ली।

उपभोक्ताओं को राहत

अब एक और हेल्पलाइन नंबर पर दर्ज होंगी बिजली शिकायतें

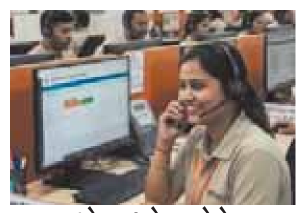

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बिजली उपभोक्ताओं की सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपनी कॉल सेंटर सेवाओं का विस्तार किया है। कंपनी ने उपभोक्ताओं के लिए नया हेल्पलाइन नंबर 0755-4314165 शुरू किया है। अब उपभोक्ता टोल-फ्री नंबर 1912 के साथ-साथ इस नए नंबर पर भी बिजली आपूर्ति, बिजली बिल, स्मार्ट मीटर और अन्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे।

कंपनी के अधिकारियों के अनुसार नए हेल्पलाइन नंबर के शुरू होने से उपभोक्ताओं को शिकायत दर्ज कराने और उसकी स्थिति की जानकारी प्राप्त करने में अधिक सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही कॉल सेंटर की क्षमता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त एसआईपी चैनल भी जोड़े गए हैं, जिससे एक साथ अधिक संख्या में कॉल रिसीव की जा सकेंगी। इससे व्यस्त लाइन, कॉल वेटिंग और कॉल कनेक्ट नहीं होने जैसी समस्याओं में कमी आने की उम्मीद है।

कंपनी ने उपभोक्ताओं को डिजिटल माध्यमों के जरिए भी सेवाएं उपलब्ध कराई हैं। उपभोक्ता यूपीएवाई ऐप, चैटबॉट, व्हाट्सएप बॉट (0755-2551222) और उपभोक्ता पोर्टल के माध्यम से भी अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं तथा विभिन्न सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

मेट्रो एंकर | अत्याधुनिक कैटेगरी-2 आईएलएस सिस्टम शुरू, कम दृश्यता और खराब मौसम में भी सुरक्षित उतर सकेंगे विमान

राजा भोज एयरपोर्ट पर खत्म होगी डायवर्जन की परेशानी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट पर इस मानसून यात्रियों को बार-बार उड़ानों के डायवर्ट होने की समस्या से बड़ी राहत मिलने जा रही है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने अत्याधुनिक कैटेगरी-2 इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) की स्थापना और औपचारिक परीक्षण की प्रक्रिया पूरी कर ली है। अब मानसून के दौरान इसकी रियल टाइम टेस्टिंग की जाएगी।

नए आईएलएस सिस्टम की मदद से कम दृश्यता और खराब मौसम के बावजूद विमानों की सुरक्षित लैंडिंग संभव हो सकेगी। पहले रनवे विजुअल रेंज (आरवीआर) 550 मीटर होने पर ही विमान उतर पाते थे, लेकिन अब केवल 350 मीटर दृश्यता में भी विमानों की सुरक्षित लैंडिंग कराई जा सकेगी। हाल के दिनों में खराब मौसम के दौरान भी कई उड़ानों को डायवर्ट करने के

बजाय भोपाल एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया है। एयरपोर्ट डायरेक्टर आलोक त्रिपाठी के अनुसार आईएलएस के साथ लोकलाइजर, ग्लाइड स्लोप और अन्य सहायक उपकरण भी स्थापित किए गए हैं, जिससे पायलटों को सुरक्षित और सटीक लैंडिंग में मदद मिल रही है। भोपाल अब मध्यप्रदेश का पहला और देश के चुनिंदा एयरपोर्ट्स में शामिल हो गया है, जहां यह अत्याधुनिक प्रणाली उपलब्ध है।

भोपाल बना प्रदेश का पहला हाईटेक एयरपोर्ट

राजा भोज एयरपोर्ट मध्यप्रदेश का पहला ऐसा हवाई अड्डा बन गया है, जहां कैटेगरी-2 अपग्रेडेड आईएलएस सिस्टम स्थापित किया गया है। वर्तमान में दिल्ली और मुंबई जैसे चुनिंदा बड़े एयरपोर्ट्स पर ही यह सुविधा उपलब्ध है। नई तकनीक लागू होने के बाद खराब मौसम के दौरान दूसरे शहरों से डायवर्ट होने वाली उड़ानों को भी भोपाल में उतारा जा सकेगा। इससे राजधानी की विमानन सुविधाओं को नई पहचान मिलेगी और एयर ट्रैफिक संचालन भी अधिक सुगम होगा।

यह है कैटेगरी-2 आईएलएस सिस्टम

कैटेगरी-2 इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम एक अत्याधुनिक तकनीक है, जो कम दृश्यता, बारिश और कोहरे जैसी परिस्थितियों में भी विमानों को सुरक्षित रूप से रनवे तक पहुंचाने में मदद करती है। यह प्रणाली पायलटों को रनवे की दिशा, ऊंचाई और लैंडिंग एंगल की सटीक जानकारी उपलब्ध कराती है। इससे खराब मौसम के दौरान भी उड़ानों के संचालन पर कम असर पड़ता है और यात्रियों को डायवर्जन या देरी जैसी परेशानियों से राहत मिलती है।

350 मीटर विजिबिलिटी में भी संभव होगी लैंडिंग

पहले भोपाल एयरपोर्ट पर विमान तभी उतर सकते थे, जब रनवे पर कम से कम 550 मीटर तक दृश्यता उपलब्ध होती थी। नए आईएलएस सिस्टम के लागू होने के बाद अब केवल 350 मीटर विजिबिलिटी में भी विमान सुरक्षित लैंड कर सकेंगे। मानसून और सर्दियों में कोहरे के दौरान यह तकनीक बेहद कारगर साबित होगी। इससे उड़ानों के रद्द होने और अन्य शहरों की ओर डायवर्ट होने की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी।

आषाढ़ कृष्ण पक्ष -12, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 06 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
11 जुलाई 2026 शनिवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
31.0 अधिकतम
25.0 न्यूनतम

Page-7

न्यूज विंडो

समिति अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा बोले- राममंदिर चढ़ावा चोरी कलंक

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने आज कहा- 'यह एक तरह का कलंक है। इसका हम सभी को सिर्फ खेद ही नहीं है, बल्कि हम खुद को छोटा महसूस कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि व्यवस्था में सुधार होगा और इस तरह की घटनाएं दोबारा नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि एक हाईलेवल समिति बनाई गई है। संभवतः जज उसके अध्यक्ष हैं। वे अपना निर्णय और संस्तुति ट्रस्ट को देंगे। ट्रस्ट उस पर विचार करेगा।

लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस को आया कॉल

नई दिल्ली। दिल्ली में लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। इस संबंध में मुंबई पुलिस के पास एक कॉल आया। जिसके बाद हड़कंप मच गया। हालांकि, प्रारंभिक जांच के बाद इस कॉल को फर्जी घोषित किया गया है।मिली जानकारी के अनुसार, एक अज्ञात कॉलर ने मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में फोन कर लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी दी।सूचना मिलते ही उत्तरी जिला पुलिस हरकत में आ गई और लाल किले के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई।

चार साल के बेटे को कोल्डड्रिंक में दिया जहर, खुद भी पीया, मौत

किठौर (मेरठ)। पति-पत्नी के विवाद ने एक पूरे परिवार को उजाड़ दिया। रात पिता ने कोल्ड्रिंक में जहरीला पदार्थ मिलाकर अपने चार वर्षीय बेटे कृष्णा को पिला दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पिता ने भी विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराए गए पिता कपिल की आज सुबह करीब चार बजे उपचार के दौरान मौत हो गई। इस घटना से पूरे गोविंदपुर शकरपुर गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

बहामास में छोटा प्लेन क्रैश होने से 10 लोगों की मौत

नासाउ। बहामास में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। हादसे के बाद सरकार को फ्लेमिंगो एयर की उड़ानों को कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। यह जानलेवा हादसा नॉर्थ एंड्रॉस में हुआ, जो इस द्वीप समूह की राजधानी नसाऊ के ठीक पश्चिम में समुद्र में स्थित है। हादसे के बाद बहामास के प्रधानमंत्री फिलिप ब्रेव डेविस ने जानकारी देते हुए शुरू में कहा था कि एक व्यक्ति बच गया है, लेकिन बाद में उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुष्टि की कि उस व्यक्ति की चोटों के कारण मौत हो गई। पीड़ितों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है।

गुजरात: जूनागढ़ में हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराई कार, चार की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के जूनागढ़ में आज मजेवड़ी गांव के पास फोर-ट्रैक हाईवे पर सड़क पर खड़े एक ट्रक के पीछे तेज रफ्तार अर्टिगा कार के घुस जाने से घटनास्थल पर ही 4 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 4 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि एक बच्चा का चमत्कारिक रूप से बच गया है। जानकारी के अनुसार, बनासकांठा जिले का एक परिवार अपनी अर्टिगा कार में सवार होकर सोमनाथ में अस्थि विसर्जन की विधि के लिए जा रहा था। जब उनकी कार मजेवड़ी गांव के पास पहुंची, तो वहां हाईवे पर एक ट्रक बंद हालत में खड़ा था।

आज का कार्टून

टिकट नहीं मिला तो तांडव...भाजपा जिलाध्यक्ष समेत कई पदाधिकारियों के इस्तीफे

हिंसक हुए नरोत्तम समर्थक...भीड़ के पथराव में एसपी का सिर फूटा, दतिया में धारा 163 लागू

दतिया / झांसी, एजेंसी

दतिया उपचुनाव में पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा की जगह आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद शुक्रवार शाम से शुरू हुआ उनके समर्थकों का बवाल आज सुबह हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों ने ग्वालियर-झांसी हाईवे पर करीब 15 से 20 किलोमीटर लंबा चक्काजाम कर दिया। हालात बिगड़ने पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। पथराव में दतिया एसपी, एसडीओपी समेत आठ पुलिसकर्मी घायल हो गए। नरोत्तम के कुछ समर्थकों के भी घायल होने की सूचना है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े जबकि जबकि प्रदर्शनकारियों के पथराव में कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। जिला प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू कर दी है। इसके तहत बिना अनुमति किसी भी सभा, जुलूस, धरना-प्रदर्शन और सार्वजनिक आयोजन पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही पांच या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर भी रोक लगा दी गई है।

दरअसल, 30 जुलाई को होने वाले दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए जैसे ही नरोत्तम मिश्रा की जगह आशुतोष तिवारी के नाम का एलान हुआ, पार्टी के भीतर विरोध खुलकर सामने आ गया। मिश्रा के समर्थक बड़ी संख्या में सड़कों पर आ गए। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। कार्यकर्ता रातभर नेशनल हाईवे पर डटे रहे। बड़ी संख्या में महिलाएं भी सड़क पर उतर आईं और विरोध जताया। आज सुबह करीब 4:30 बजे अचानक पथराव शुरू हो गया। इसमें एसपी मयूर खंडेलवाल और , एसडीओपी समेत आठ पुलिसकर्मी घायल हो गए। खंडेलवाल को पत्थर लगने से सिर में चोट आई है। इसके बाद पुलिस ने लाठी चार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। तब जाकर हाइवे खुल सका। कई वाहन चालकों ने बताया कि वे कई घंटे से भूखे-प्यासे जाम में खड़े हैं और आगे बढ़ने का कोई रास्ता नहीं मिला। बताया जा रहा है कि नरोत्तम का टिकट कटने का विरोध करने वालों में करीब 500 से 700 कार्यकर्ता और स्थानीय व्यापारी शामिल थे।

तैयारी पर फिर गया पानी

उपचुनाव की घोषणा के बाद डॉ. नरोत्तम मिश्रा लगातार चुनावी तैयारियों में जुटे थे। उन्होंने नामांकन फॉर्म भी खरीद लिया था और क्षेत्र में जनसभाएं कर रहे थे। इनमे उन्होंने अपनी पुरानी गलतियों के लिए माफ़ी भी मांगी थी। लेकिन अंतिम समय में पार्टी ने आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार घोषित कर दिया। इसके विरोध में भाजपा जिलाध्यक्ष रघुवीर सरण सहित कई पदाधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। नगर मंत्री और भाजपा कोषाध्यक्ष ने भी पद छोड़ दिया। समर्थकों का दावा है कि कई भाजपा पार्षदों ने भी सामूहिक इस्तीफे सौंप दिए हैं। अब तक 13 लोगों ने उपचुनाव के लिए नामांकन फॉर्म खरीदे हैं, जिनमें से चार उम्मीदवार नामांकन दाखिल कर चुके हैं।

नरोत्तम बोले- उग्र विरोध न करें

इस बीच नरोत्तम मिश्रा ने कार्यकर्ताओं से कहा है कि ये पार्टी का निर्णय है। पेट्रोल, मिट्टी का तेल न डालें। मार्ग अवरुद्ध न करें। मिश्रा ने कहा कि उम्मीदवार का चयन पार्टी का निर्णय है, इसलिए किसी भी तरह का उग्र विरोध नहीं होना चाहिए।

भांडेर में जश्न का माहौल

दतिया में जहां विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, वहीं भांडेर में जश्न का वीडियो सामने आया है। यहां के पटेल चौराहे पर भाजपा उम्मीदवार आशुतोष तिवारी के समर्थकों ने जमकर आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। श्री तिवारी ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे वे पूरी निष्ठा से निभाएंगे। उन्होंने कहा- डॉ. नरोत्तम मिश्रा उनके अभिभावक हैं। उन्होंने फोन कर उन्हें बधाई भी दी है।

नाराजगी बड़ी बात नहीं : कैलाश

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पार्टी के फैसले का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी में लोकतंत्र है और कार्यकर्ता अपनी बात रखने के लिए स्वतंत्र हैं। नाराज कार्यकर्ताओं से बैठकर चर्चा की जाएगी। आशुतोष तिवारी संगठन के पुराने और मजबूत कार्यकर्ता हैं और उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारी मतों से जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने साफ कहा कि टिकट घोषित होने के बाद पार्टी में उम्मीदवार बदलने की परंपरा नहीं रही है और टिकट बदलने की संभावना नहीं है। नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों की नाराजगी पर विजयवर्गीय ने कहा कि यह कोई बड़ी बात नहीं है।

पीएम मोदी को ऑकलैंड के गवर्नमेंट हाउस में 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट सहित 18 फैसले

पीएम बोले- 1.72 लाख करोड़ रुपए निवेश करेगा न्यूजीलैंड

ऑकलैंड, एजेंसी

पीएम मोदी ने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसमें 18 बड़े फैसले और 10 समझौतों पर साइन किए गए। दोनों नेताओं ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना बढ़ाकर करीब 35 हजार करोड़ रुपए करने का लक्ष्य रखा।

दोनों देशों ने अपने रिश्तों को स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा दिया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस साल रिकॉर्ड 9 महीने में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुआ है। न्यूजीलैंड अगले 15 सालों में भारत में 1.72 लाख करोड़ रुपए(20 अरब डॉलर) निवेश करेगा। साथ ही 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य में भी मदद करेगा।

पीएम मोदी आज ऑकलैंड में 40 हजार भारतीयों को संबोधित करेंगे। मोदी 6 से 11 जुलाई तक अपनी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में न्यूजीलैंड पहुंचे हैं। वे आज ही नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। यह 40 साल बाद किसी भारतीय पीएम की न्यूजीलैंड यात्रा है। इससे पहले 1986 में राजीव गांधी न्यूजीलैंड गए थे।

माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026

इंदौर में जुटे पांच हजार युवा सीएम ने दिया मार्गदर्शन

इंदौर। प्रदेश के युवाओं की ऊर्जा, नवाचार और नेतृत्व क्षमता को नई दिशा देने के उद्देश्य से आज इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 'माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026' का आयोजन किया जा रहा है। 'वन स्टेट, वन जनरेशन, वन संकल्प' थीम पर आधारित इस आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 5 हजार युवा शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विशेष रूप से उपस्थित रहकर युवाओं का मार्गदर्शन किया।

कॉन्क्लेव में युवाओं को प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार और सुझाव रखने का अवसर मिला है। कॉन्क्लेव में शिक्षा, कौशल विकास, खेल, स्टार्टअप, एमएसएमई, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण, संस्कृति, पर्यटन और जनभागीदारी जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़े युवाओं ने भाग लिया। विभिन्न संवाद सत्रों और कार्यशालाओं के माध्यम से प्रतिभागी अपने क्षेत्रों की चुनौतियों, संभावनाओं और समाधान पर चर्चा की।

यूपी में कार-पुल डूबे, 3 दिन में 15 मौतें उत्तराखंड-हिमाचल में 400 सड़कें बंद

जयपुर/लखनऊ/पटना, एजेंसी

राजस्थान सहित देश के 10 राज्यों में अगले 5 दिन मानसून कमजोर रहेगा। इन राज्यों में बारिश की कम संभावना है। इधर यूपी के हापुड़ में भारी बारिश की वजह से अंडरपास में पानी भर गया। थार कार डूब गई। बिजनौर में गंगा और उसकी सहायक मालन नदी उफान पर है। पुल डूब गए, प्रदेश में 3 दिन में 15 लोगों की मौत हो चुकी है।

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में देर रात भारी बारिश के कारण चलती पिकअप पर पहाड़ का एक हिस्सा गिर गया। मलबे और बोल्डरों की चपेट में आने से गाड़ी पूरी तरह पिचक गई।

मिजोरम के लुंगलेई जिले में बारिश के बाद नदी का जलस्तर बढ़ गया। 80 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। राज्य में 29 जगह लैंडस्लाइड हुई। लुंगलेई जिले के बुआल्ते गांव के पास नेशनल हाईवे 54 बंद हो गया है, जहां पिछले चार दिनों से कई पर्यटक फंसे हुए हैं।

अमेरिका ने धोखा दिया तो अंजाम भुगतेगा: ईरान

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ सीजफायर समाप्त होने की घोषणा के बाद एक बार फिर दोनों देशों बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर अमेरिका ने अपने वादों या समझौतों को तोड़ा, यानी धोखा दिया तो तो ईरान भी चुप नहीं बैठेगा और जैसा अमेरिका करेगा, उसे वैसा ही करारा जवाब दिया जाएगा।

इसके साथ ही ईरानी मंत्रालय ने ट्रंप के उस दावे को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि तेहरान ने अमेरिका से बातचीत जारी रखने के लिए आग्रह किया था।

ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने अमेरिका से बातचीत का अनुरोध नहीं किया, लेकिन हमने कतर के मध्यस्थों की ईरान यात्रा को स्वीकार कर लिया। ईरानी प्रवक्ता मोहम्मद बगेर गालिबफ ने कहा कि अमेरिका साथ युद्ध ईरान के आत्मसमर्पण के साथ समाप्त नहीं होगा और वे अपनी रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

मेट्रो एंकर मंदिर प्रबंध समिति ने सार्वजनिक किया संपत्ति का ब्यौरा, बढ़ रही है श्रद्धालुओं की संख्या

बाबा महाकाल की अपार संपत्ति... 472 करोड़ की एफडी, 300 करोड़ का सोना

उज्जैन, एजेंसी

श्री महाकाल मंदिर प्रबंध समिति ने महाकाल मंदिर की संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक किया है। इसके तहत मंदिर समिति के पास करोड़ों की एफडी, जमीन और आभूषण के रूप में संपत्ति है। साथ ही महाकाल लोक बनने के बाद मंदिर की आय में भी खासी वृद्धि हुई है। प्रबंध समिति ने जो ब्यौरा पेश किया है, उसके अनुसार मंदिर के पास वर्तमान में 472 करोड़ रुपये यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया और बैंक आफ इंडिया में फिक्स्ड डिपाजिट के रूप में है। अलग-अलग बैंकों में 16 करोड़ रुपये की राशि जमा है। लगभग 90 एकड़ की भूमि है। इसके साथ ही आभूषण के रूप में 300 करोड़ रुपये से अधिक का सोना व 20 क्विंटल से अधिक की चांदी है।

बीते कुछ वर्षों से दान के रूप में प्राप्त होने वाली राशि और आभूषणों में वृद्धि हुई है। इसका सुखद पहलू यह सामने आया कि मंदिर की संपत्ति में निरंतर वृद्धि जारी है।

गत वर्ष के रिकॉर्ड के अनुसार मंदिर को 142 करोड़ रुपये की आमदनी हुई थी। इसमें दान के रूप में 78 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। इसके साथ ही मंदिर की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने, श्रद्धालुओं की सुविधा व अन्य प्रकल्पों के संचालन के लिए मंदिर का खर्च भी बढ़ा है। बताया जाता है कि यह खर्च 135 करोड़ रुपये तक हो गया है।

आभूषणों का दान भी बढ़ा: मंदिर समिति की बढ़ती आय के साथ ही आभूषणों के रूप में प्राप्त होने वाले दान में भी वृद्धि हुई है। गत वर्ष मंदिर को 592.36 किलो चांदी व 1.48 किलो सोना दान के रूप में प्राप्त हुआ। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है। कई बार स्थिति यह बन जाती है कि मानो उज्जैन में ही एक और शहर आकर बस गया हो, यानी जितने लोग उज्जैन में निवास करते हैं, उतने ही श्रद्धालु बाहर से उज्जैन पहुंच रहे हैं। यह आंकड़ा भी कई बार 6 लाख के पार हुआ है।

संपत्ति का ब्यौरा

472 करोड़ रुपये एफडी	90 एकड़ भूमि
300 करोड़ रु. से अधिक का सोना	20 क्विंटल से अधिक चांदी

न्यूज विंडो

पुरानी नगरपालिका के खंडहर में जुआ खेलते 6 जुआरी गिरफ्तार

धार। कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुरानी नगर पालिका के अंदर बने एक खंडहर भवन के पीछे छापा मारकर ताश के पत्तों पर पैसों की हार-जीत का दांव लगाते हुए 6 जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से कुल 4200 रुपये नगद और 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। गश्त के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पुरानी नगरपालिका के खंडहर भवन के पास कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं, टीम ने घेराबंदी कर मौके से 6 व्यक्तियों को जुआ खेलते हुए पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों की में अमजद निवासी नालछा दरवाजा, इमरान उर्फ नानकिया निवासी जिजारवाडी, नौसाद निवासी कुम्हारगड्ढा, गपुर (निवासी इंदिरा कॉलोनी, फरीद निवासी जवाहर मार्ग और फिरोज उर्फ चुचु निवासी गांधी कॉलोनी, धार के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से अलग-अलग राशि और जुए के फड़ से कुल 4200 रुपये नगद और ताश के पत्ते जब्त किए गए। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 13 जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

अनूपपुर से छत्तीसगढ़ तक अवैध शराब तस्करी के आरोप, कार्रवाई पर उठे सवाल

अनूपपुर। जिला से सीमावर्ती गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिला तथा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला में कथित रूप से बड़े पैमाने पर अवैध शराब की तस्करी होने के आरोप सामने आए हैं। अनूपपुर और इन सीमावर्ती जिलों की भौगोलिक निकटता के कारण सीमा पार आवाजाही लंबे समय से चुनौती मानी जाती रही है। अनूपपुर जिले के शराब ठेकों से अवैध रूप से शराब छत्तीसगढ़ के दोनों जिलों तक पहुंचाई जा रही है, लेकिन इस पर प्रभावी और लगातार कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही। आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि यदि तस्करी लगातार हो रही है तो संबंधित एजेंसियों की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में नियमित संयुक्त अभियान चलाए जाएं, वाहनों की सघन जांच हो तथा आबकारी और पुलिस विभाग समन्वय के साथ कार्रवाई करें, तो इस तरह की गतिविधियों पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है। उनका यह भी मानना है कि अवैध शराब की तस्करी केवल राजस्व का नुकसान नहीं करती, बल्कि इससे अन्य आपराधिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सकता है।

सेवा सप्ताह के तहत ग्राम हथौड़ा में लगाए 11 फलदार एवं छायादार पौधे

गंजबासौदा। बजरंग दल के सेवा सप्ताह के अंतर्गत शुक्रवार को ग्राम हथौड़ा में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यावरण संरक्षण और हरित वसुंधरा का संदेश देने के उद्देश्य से कार्यकर्ताओं ने आम, नीम, जामुन, पीपल, इमली, आंवला, शीशम और मुनगा सहित 11 पौधे रोपे। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों ने पौधों की सुरक्षा एवं नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि 5 जुलाई से 12 जुलाई तक देशभर में बजरंग दल का सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाई जा रही है। गंजबासौदा में भी इसी श्रृंखला के अंतर्गत यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत सह समरसता प्रमुख डॉ. चंद्रशेखर शर्मा, विभाग सह मंत्री संदीप नेमा, जिला मंत्री अभिषेक शर्मा (गुरुजी), जिला सह संयोजक भजन प्रजापति, नगराध्यक्ष रामकृष्ण राजपूत, नगर मंत्री संजय सिलावट, नगर सह मंत्री रामराज झा एवं गौरव नामदेव, नगर सह संयोजक नरेश राजपूत तथा नगर सह विद्यार्थी प्रमुख विष्णु मैथिल सहित बजरंग दल एवं विश्व हिन्दू परिषद के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अशासकीय समिति को दान में दी चांदी, कलेक्टर ने गठित की टीम

आगर मालवा। जिले के नलखेड़ा स्थित विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में अशासकीय समिति द्वारा सोना, चांदी और नकद दान एकत्रित किए जाने का मामला सामने आया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने तीन सदस्यीय जांच दल गठित किया है, जो पूरे प्रकरण की जांच कर रहा है। इस बीच यह भी सामने आया है कि मंदिर में नियमों का पालन सुनिश्चित कराने वाले कुछ जिम्मेदार अधिकारियों के नाम भी दानदाताओं की सूची में दर्ज हैं। मंदिर परिसर में लगाए गए दानदाताओं के शिलालेख में समिति के गठन के समय पदस्थ एसडीएम मिलिंद ढोके और तत्कालीन तहसीलदार प्रीति भिसे आखरे के नाम भी शामिल हैं। सूची में राजगढ़ सांसद रोडमल नागर सहित देशभर के श्रद्धालुओं के नाम दर्ज हैं। सांसद रोडमल नागर ने कहा कि सरकार मामले की जांच करा रही है और यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शिलालेख में 500 ग्राम या उससे अधिक चांदी दान करने वाले श्रद्धालुओं के नाम अंकित हैं। कई दानदाताओं ने सवा लाख रुपये से लेकर 25-30 हजार रुपये तक नकद राशि भी दी है। कुल 170 दानदाताओं के नाम सूची में दर्ज हैं, जिन्होंने 500 ग्राम से अधिक चांदी या बड़ी नकद राशि दान की है।

सरकारी चावल हेराफेरी का बड़ा खुलासा, पड़ताल में जुटी पुलिस

एथनॉल प्लांट की जगह राइस मिलों में पहुंच रही थी खेप, आरोपी गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में सरकारी सब्सिडी वाले चावल की कथित हेराफेरी से जुड़े एक संगठित नेटवर्क का खुलासा हुआ है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि एथनॉल प्लांट के लिए भेजे गए सरकारी चावल को रास्ते में निजी राइस मिलों की ओर मोड़ दिया जाता था। आरोप है कि बाद में उसी चावल को कस्टम मिलिंग प्रक्रिया के जरिए दोबारा सरकारी खरीद प्रणाली में शामिल कर भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और अन्य सरकारी एजेंसियों को अधिक कीमत पर बेचा जाता था। पूरे मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल अब नेटवर्क की सभी कड़ियों की पड़ताल कर रहा है।

मामले का खुलासा फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया की शिकायत के बाद हुआ। एफसीआई अधिकारियों ने पुलिस को बताया कि छिंदवाड़ा जिले के नवीनगांव डिपो से एथनॉल उत्पादन के लिए तीन ट्रकों में सरकारी चावल भेजा गया था, लेकिन इनमें से एक ट्रक निर्धारित गंतव्य तक नहीं पहुंचा। इसके बाद पुलिस और प्रशासन ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता तब मिली, जब लापता ट्रक बालाघाट जिले के वारासिवनी स्थित सांचेती राइस मिल परिसर में खड़ा मिला। ट्रक में करीब 242 क्विंटल सरकारी चावल लदा था। पुलिस ने ट्रक और चावल को जब्त कर लिया। वहीं, उसी खेप से जुड़े दो अन्य ट्रकों की तलाश जारी है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि उनके जरिए भी इसी तरह की हेराफेरी की गई होगी। शुरुआती जांच के अनुसार, सरकार एथनॉल उत्पादन के लिए सब्सिडी दर पर चावल उपलब्ध कराती है। आरोप है कि इस चावल को एथनॉल प्लांट तक पहुंचाने के बजाय निजी राइस मिलों में उतार दिया जाता था। वहां इसकी दोबारा प्रोसेसिंग कर इसे कस्टम मिलिंग के तहत सरकारी स्टॉक के रूप में दर्शाया जाता और फिर एफसीआई सहित अन्य सरकारी एजेंसियों को सरकारी खरीद मूल्य पर बेचा जाता था।

आरोप है कि सरकार जिस चावल को पहले ही सब्सिडी पर जारी कर चुकी थी, वही चावल दोबारा सरकारी खरीद प्रणाली में शामिल होकर फिर सरकार को ही बेच दिया जाता था। इससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, नुकसान की वास्तविक राशि का आकलन जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। पुलिस ने मामले में एवीजे एग्रिको प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि राहुल प्रताप, ट्रक चालक दुर्गेश शेंडे, सांचेती राइस मिल के संचालक सौरभ सांचेती समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है। जांच एजेंसियों का कहना है कि पूछताछ के आधार पर अन्य ट्रांसपोर्ट कंपनियों, व्यापारियों और राइस मिल संचालकों की भूमिका भी सामने आ सकती है।

पूरे नेटवर्क की होगी जांच

बालाघाट रेंज के आईजी ललित शाक्यवार ने कहा कि मामला केवल एक ट्रक तक सीमित नहीं है। शुरुआती जांच में संगठित नेटवर्क के संकेत मिले हैं। यदि सरकारी एथनॉल आपूर्ति व्यवस्था का दुरुपयोग कर राजस्व को नुकसान पहुंचाया गया है तो पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा। इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति, संस्था या कंपनी को बख्शा नहीं जाएगा।

रिकॉर्ड की होगी जांच

अब परिवहन से जुड़े दस्तावेज, जीपीएस लोकेशन, ई-वे बिल, राइस मिलों के स्टॉक रजिस्टर, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड, बैंक लेनदेन और सीसीटीवी फुटेज की जांच करेगी। अधिकारियों का मानना है कि इन साक्ष्यों से यह पता लगाया जा सकेगा कि अब तक कितनी सरकारी खेपों को कथित रूप से इस तरह डायवर्ट किया गया।

एथनॉल नीति पर उठे सवाल

इस मामले के बीच केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में 20 ईंधन नीति जारी रहेगी। हालांकि सरकारी चावल की कथित हेराफेरी के इस मामले ने एथनॉल आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी और पारदर्शिता को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह कथित खेल कब से चल रहा था, इसमें किन-किन जिलों और कंपनियों की भूमिका रही तथा सरकारी खजाने को कितना नुकसान हुआ। आगे की जांच में मामले से जुड़े और तथ्य सामने आने की संभावना है।

तीन चोरों के साथ सीहोर का सुनार गिरफ्तार, 7 लाख के जेवर बरामद

सीहोर। दोपहर मेट्रो

जिले की इछावर थाना पुलिस ने नकबजनी के एक चर्चित मामले का सफल खुलासा करते हुए चोरी के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले तीन शातिर चोरों के साथ चोरी के सोने के जेवर खरीदने वाले सीहोर के एक सुनार को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गए सोने के शत-प्रतिशत जेवरात और 15 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। बरामद मशरूका की कुल कीमत करीब सात लाख रुपये बताई गई है। चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है, जबकि मामले की आगे की जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार इछावर के खेड़ीपुरा निवासी राजेश कुमार श्रीवास्तव ने थाना इछावर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 16 और 17 जून की दरमियानी रात अज्ञात बदमाश उनके सूने मकान में घुस गए। चोर घर में रखे सोने के कीमती जेवरात और नकदी चुराकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर थाना इछावर में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी रोशन कुमार जैन के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी पंकज वाडेकर के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई।

लाखों की अवैध शराब की जब्त, आरोपी रिमांड पर

कुक्षी। दोपहर मेट्रो

अलीराजपुर रोड स्थित क्लब सेवन परिसर में पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध देशी और विदेशी शराब का जखीरा जब्त किया है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय से दो दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक दीपक सिंह चौहान को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अलीराजपुर रोड पर स्थित क्लब सेवन परिसर में अवैध रूप से भारी मात्रा में शराब का भंडारण किया गया है और वहाँ से इसकी बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुँचकर तलाशी ली। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने क्लब सेवन परिसर और उससे जुड़े गोदाम से विभिन्न ब्रांडों की देशी, विदेशी शराब और बीयर की बड़ी खेप बरामद की। मौके पर मौजूद आरोपी सुमित प्रजापत निवासी कुक्षी से जब शराब के परिवहन या भंडारण से जुड़े वैध लाइसेंस और दस्तावेज मांगे गए, तो वह कोई भी कागजात पेश नहीं कर सका। पुलिस ने कुल 265.70 बल्क लीटर अवैध शराब और बीयर जब्त की, जिसकी कुल अनुमानित कीमत 2 लाख से अधिक बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी सुमित प्रजापत के खिलाफ आबकारी की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहाँ से उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। थाना पुलिस के अनुसार, रिमांड के दौरान आरोपी से कड़ाई से पूछताछ की जा रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में अवैध शराब कहाँ से लाई गई थी, इस रैकेट में और कौन-कौन लोग शामिल हैं, तथा इसका मुख्य सप्लायर कौन है। उक?त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक दीपक सिंह चौहान, उपनिरीक्षक अनुप बघेल, उपनिरीक्षक प्रकाश अलावा, सहायक उपनिरीक्षक चंचल चौहान, सहायक उपनिरीक्षक गौरीशंकर सोलंकी, प्रधान आरक्षक सतीश और आरक्षक विपिन की विशेष और सराहनीय भूमिका रही।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम सौंपा ज्ञापन

क्षेत्र में रेल, अस्पताल, बीज केंद्र और कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने उठाई आवाज

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गंजबासौदा ने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा विदिशा संसदीय क्षेत्र के सांसद शिवराज सिंह चौहान के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में रेलवे सुविधाओं के विस्तार, किसानों के लिए शासकीय उप बीज केंद्र की स्थापना, नवीन शासकीय अस्पताल को शीघ्र शुरू करने तथा शहर में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर प्रभावी कार्रवाई की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन में गंजबासौदा रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म क्रमांक-3 के निर्माण, महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव तथा यात्रियों के लिए पेयजल, प्रतीक्षालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार की मांग की। उनका कहना था कि बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए स्टेशन पर सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है। ज्ञापन में किसानों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा गया कि वर्तमान में शासकीय बीज केंद्र केवल विदिशा में संचालित होने से गंजबासौदा एवं आसपास के किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध नहीं हो पाते। किसानों की सुविधा और कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गंजबासौदा में शासकीय उप बीज केंद्र स्थापित किया जाना चाहिए। कांग्रेस ने नगर में निर्मित नवीन शासकीय अस्पताल को पर्याप्त चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल कर्मचारियों और आवश्यक संसाधनों के साथ शीघ्र प्रारंभ करने की भी मांग की। साथ ही शहर में बढ़ते अपराध, अवैध शराब के कारोबार तथा ट्रकों के माध्यम से होने वाले अवैध परिवहन पर सख्त कार्रवाई कर कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने की आवश्यकता बताई। ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नितिन दुबे, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव विकास शर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रशांत नायक, जगदीश सुहाने, सुनील बाबू पिंगले, राजकुमार सेन, रविंद्र रघुवंशी, आनंद दुबे, अन्नू, नमन दुबे, दीपक शर्मा, विपिन शर्मा, अमित अरोरा, लोकेश साहू, जितेंद्र यादव सहित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आगर में लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई

50 हजार रुपये की पहली किस्त लेते ही पकड़ाया बाबू

अगार मालवा। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में रिश्वत खोर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। लगभग हर दूसरे दिन कहीं न कहीं लोकायुक्त रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ रही हैं, लेकिन इसके बावजूद रिश्वतखोर बाज आते नजर नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला मध्यप्रदेश के आगर-मालवा जिले का है, यहां जिला आपूर्ति कार्यालय में पदस्थ बाबू को लोकायुक्त उज्जैन की टीम ने 50 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ा है।

जावरा निवासी विजय कुमार बोरसिया ने 8 जुलाई को लोकायुक्त उज्जैन कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में फरियादी विजय कुमार ने बताया कि उसके पिता गोवर्धनलाल बोरसिया जिला आपूर्ति अधिकारी आगर के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। पिता की ग्रेच्युटी, बीमा, अवकाश नकदीकरण सहित करीब 27 लाख की राशि अभी मिलना बाकी है। इस संबंध में जब वो जिला आपूर्ति कार्यालय आगर-मालवा में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 एवं प्रभारी लेखापाल (बाबू) मनीष कुमार पंड्या के पास पहुंचे तो बाबू मनीष पंड्या ने उनसे 1.50 लाख रुपये रिश्वत की मांग की।

लोकायुक्त टीम ने फरियादी विजय कुमार बोरसिया की शिकायत की जांच की और शिकायत सही पाए जाने पर 10 जुलाई को रिश्वतखोर बाबू मनीष कुमार पंड्या को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। लोकायुक्त टीम ने फरियादी को रिश्वत की पहली किस्त के तौर पर 50 हजार रुपये देने के लिए रिश्वतखोर बाबू मनीष कुमार पंड्या के पास भेजा। बाबू ने फरियादी विजय कुमार को रिश्वत की रकम देने के लिए अपने कार्यालय में बुलाया था और जैसे ही उसने वहां पर रिश्वत के 50 हजार रुपये लिए तो सादे कपड़ों में मौजूद टीम ने उसे रंगेहाथों पकड़ लिया।

मेडिकल ऑफिसर मांग रहा था 10 हजार रुपए

बता दें कि मध्यप्रदेश में लोकायुक्त लगातार भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। बीते दिनों लोकायुक्त रीवा की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहडोल जिले के जयसिंहनगर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उफरी के मेडिकल ऑफिसर को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। तब लोकायुक्त टीम ने बताया था कि उमरिया जिले के पटनार खुर्द निवासी वीरेंद्र सिंह ने बीते 18 मई को लोकायुक्त कार्यालय रीवा में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उनकी पत्नी पार्वती सिंह के संलग्नीकरण (अटैचमेंट) आदेश को निरस्त कराने और उनकी रवानगी रोकने के एवज में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उफरी के मेडिकल ऑफिसर डॉ. महेशचंद्र शर्मा 10 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे हैं।

मेट्रो एंकर | स्कूल प्रबंधन के विरुद्ध कार्रवाई के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को लिखा पत्र

स्कूलों में बच्चों को लाने ले-जाने गैस किट से चल रहा वाहन जब्त

सागर। दोपहर मेट्रो

स्कूलों में एलपीजी गैस से चल वाहनों पर परिवहन विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है बावजूद इसके वाहन मालिक बाज नहीं आ रहे। बीते दो दिनों में आरटीओ ने जिले की कई स्कूलों में चैकिंग अभियान चलाकर ना केवल चालानी कार्यवाई की बल्कि वाहन जब्त भी किए। जानकारी के अनुसार गढ़ाकोटा में स्कूली वाहनों की चैकिंग की जा रही थी। ईको वाहन जो स्कूली बच्चों को लाने ले जाने का कार्य कर रही थी, उसे गढ़ाकोटा में रोककर चैक किया गया। उक्त वाहन के चालक से वाहन के कागजात मांगे गये तो उन्होंने कोई भी दस्तावेज मौके पर प्रस्तुत नहीं किये। वाहन के पीछे के भाग की डिक्की के गेट को खोलकर देखा गया तो वाहन में एलपीजी गैस किट लगी हुई थी। उक्त वाहन आरटीओ में प्रायवेट श्रेणी में पंजीकृत होकर अनाधिकृत तरीके से स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने का कार्य कर रही थी। इस कारण मारूति वेन को जप्त किया गया. पूर्व से जप्त 3 स्कूल बस, 3 आटो रिक्शा, 4 मारूति वेन, 4 ई-रिक्शा, 2 यात्री बसों से मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत् 8 वाहनों से एक लाख तेरह हजार रूपया जुर्माना वसूला गया है। इसी तरह से दलपतपुर में स्कूल बसों की जांच मारूति वेन वाहन जो स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने का कार्य कर रही थी, उसे दलपतपुर में रोककर चैक किया गया। वाहन में क्षमता से अधिक स्कूली बच्चे बैठे पाये गये। वाहन में एलपीजी गैस किट लगी हुई थी। अर्थात् वाहन को एलपीजी गैस से चलाया जा रहा था। वाहन को जप्त कर कार्यालय क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, सागर के परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया है।

लगातार चैकिंग के बाद भी कुछ वाहन स्वामियों द्वारा गैस किट लगाकर स्कूलों में वाहन संचालित किये जा रहे है, जो बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ है, एवं सुरक्षा मानकों के विपरीत है. आरटीओ ने स्कूल प्रबंधन के विरुद्ध कार्यवाही हेतु जिला शिक्षा अधिकारी को लिखा पत्र लिखा है।

सीएम मोहन ने बनाई जलेबी

उज्जैन प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रसिद्ध खंडेलवाल मिष्ठान भंडार पहुंचकर खुद जलेबी बनाई। पारंपरिक अंदाज में कड़ाही पर हाथ आजमाते मुख्यमंत्री का यह आत्मीय अंदाज लोगों को खूब पसंद आया। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों से संवाद कर उन्होंने अपनापन और प्रदेश की समृद्ध खाद्य संस्कृति का संदेश भी दिया।

अतिथि विद्वानों के हित में बड़ा ऐलान, सीएम बोले-

आप सभी हमारे परिवार के सदस्य, सरकार लागू करेगी बेहतर मॉडल वाला सिस्टम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना है। हम पूरी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं और सभी के कल्याण की कामना करते हैं। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार अतिथि विद्वानों के हितों और सम्मान के लिए लगातार निर्णय ले रही है। अतिथि विद्वान युवा पीढ़ी के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और वे शिक्षा व्यवस्था के मजबूत स्तंभ हैं।

मुख्यमंत्री राजधानी भोपाल के रवीन्द्र भवन में आयोजित प्रदेश स्तरीय अतिथि विद्वान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान अतिथि विद्वानों ने मुख्यमंत्री का अंगवस्त्रम पहनाकर और तुलसी का पौधा भेंटकर स्वागत किया।

उच्च स्तरीय समिति करेगी मांगों पर विचार- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिथि विद्वानों की सभी मांगों पर विचार करने के लिए सरकार ने उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। समिति देश के अन्य राज्यों में लागू व्यवस्थाओं का अध्ययन कर रही है। इसकी अनुशंसाएं प्राप्त होने के बाद उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे अतिथि विद्वानों के हित में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अतिथि विद्वान हमारे परिवार के सदस्य हैं और उनके कल्याण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार ऐसी व्यवस्था तैयार करने की दिशा में काम कर रही है, जिससे अतिथि विद्वानों को बेहतर अवसर और सम्मान मिल सके।

शिक्षा क्षेत्र में लगातार हो रहे बदलाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। प्रत्येक जिले में पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज शुरू किए गए हैं। खरगोन, गुना और सागर में नए शासकीय विश्वविद्यालयों की शुरुआत की गई है। इसके अलावा स्कूल शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए सांदीपनि विद्यालय प्रारंभ किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में सकल पंजीयन दर (जीईआर) अब राष्ट्रीय औसत से बेहतर हो गई है। स्कूल शिक्षा में ड्रॉप आउट दर भी शून्य तक पहुंच गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत अब शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखा जा सकता। विद्यार्थियों में नवाचार, संवेदनशीलता, नैतिक मूल्यों और नई सोच का विकास जरूरी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अतिथि विद्वानों के लिए 13 आकस्मिक और 3 ऐच्छिक अवकाश की व्यवस्था की गई है। महिला अतिथि विद्वानों को प्रसूति अवकाश का लाभ भी दिया जा रहा है। इसके अलावा उन्हें अपने घर के नजदीक कॉलेज चुनने की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी।

गेहूं खरीदी में घोटाले की होगी जिलेवार जांच

उपार्जन समितियों - परिवहनकर्ताओं से होगी वास्तविक आर्थिक नुकसान की वसूली

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में खरीदे गए गेहूं में कमी की बात सामने आने पर अब इसकी जिलेवार जांच कराने का निर्णय लिया गया है। इस कमी के कारणों की पहचान कर संबंधित समितियों एवं परिवहनकर्ताओं से उसकी भरपाई कराई जाएगी। अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी ने सभी कलेक्टरों को इस संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी में तुलाई, परिवहन, भंडारण आदि के

हैंडलिंग कार्य में उपार्जित किए गए गेहूं की मात्रा में प्रति क्विंटल कुछ कमी आना एक सामान्य प्रक्रिया है। पिछले वर्षों में प्रति क्विंटल औसतन 176 ग्राम कमी देखने में आती थी।

हो रही सत्यापन की कार्रवाई

प्रदेश के सभी जिलों में जिला स्तरीय उपार्जन समिति द्वारा कमी की पहचान एवं सत्यापन की कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद वास्तविक कमी से संभावित आर्थिक क्षति की वसूली सहकारी समितियों एवं स्व-सहायता समूहों तथा परिवहनकर्ताओं से की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार खरीदी सहकारी समितियों और स्व-सहायता समूहों द्वारा की जाती है। खरीद में कमी की प्रतिपूर्ति जिला स्तरीय उपार्जन समिति द्वारा संबंधित समितियों और परिवहनकर्ताओं से वसूली कर की जाती है।

मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

भोपाल। मध्यप्रदेश जेल विभाग ने बंदियों के समग्र स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया है। महानिदेशक जेल डॉ. वरुण कपूर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी (आर.आर.यू.), गांधीनगर, गुजरात के सहयोग से आयोजित यह सात दिवसीय प्रशिक्षण भोपाल स्थित क्षेत्रीय जेल प्रबंधन एवं शोध संस्थान में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य जेलों में निरुद्ध बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य की पहचान, संरक्षण, परामर्श एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाना है।

भ्रष्टाचार और कर्ज के मुद्दे पर 15 को सीएम आवास घेरेगी कांग्रेस

भोपाल। पीसीसी जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार और सरकार की असफलता से आमजन का ध्यान भटकाने के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा उछाला गया है। इसका प्रदेश के लगभग पौने दो करोड़ आदिवासियों की संस्कृति, परंपरा और संवैधानिक अधिकारों पर संभावित प्रभाव पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। नर्मदा नदी पर बनीं सरदार सरोवर परियोजना को लेकर हुए समझौते से राज्य के हित प्रभावित होने की बात सामने आई है। इसे लेकर सरकार श्वेत पत्र जारी कर वस्तुस्थिति जनता के सामने लाए। भ्रष्टाचार सहित अन्य मामलों को लेकर 15 जुलाई को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा।

वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटका रही सरकार

भोपाल में मीडिया से चर्चा में पटवारी ने कहा कि देशभर में बंद हुए लगभग 5,000 स्कूलों में से 2,500 स्कूल अकेले मध्य प्रदेश के हैं। यूसीसी केंद्र सरकार का विषय है। प्रदेश में इसे लागू करने की चर्चा केवल वास्तविक मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास है। प्रदेश महिलाओं पर अत्याचार, आदिवासियों पर अत्याचार, बलात्कार, ड्रग्स माफिया, शराब माफिया सहित अन्य प्रकार के अपराध व भ्रष्टाचार के मामलों में लगातार बदनाम हो रहा है। इसके खिलाफ कांग्रेस पार्टी अपना संघर्ष जारी रखेगी।

अतिथि शिक्षकों का इंतजार कब तक

मध्यप्रदेश में अतिथि विद्वानों के मुद्दे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा समिति गठित करने और फिक्स वेतन, नियमितीकरण सहित अन्य मांगों पर विचार का आश्वासन निश्चित रूप से सकारात्मक संकेत है। लंबे समय से अपनी सेवा शर्तों में सुधार की मांग कर रहे हजारों अतिथि विद्वानों के लिए यह उम्मीद जगाने वाला कदम है। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल समितियां बनाना पर्याप्त होगा, या अब ठोस और समयबद्ध निर्णय लेने का समय आ गया है?

मध्यप्रदेश में शिक्षा व्यवस्था वर्षों से अलग-अलग श्रेणियों के शिक्षकों के सहारे चल रही है। कहीं अतिथि शिक्षक, कहीं अतिथि विद्वान, कहीं संविदा शिक्षक, कहीं जनभागीदारी या आउटसोर्स कर्मचारी। एक ही संस्थान में समान योग्यता और समान कार्य करने वाले शिक्षकों के बीच वेतन, सेवा सुरक्षा और सुविधाओं में भारी अंतर है। यह स्थिति न केवल कर्मचारियों के साथ असमानता पैदा करती है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती है।

उच्च शिक्षा संस्थानों में कार्यरत अतिथि विद्वानों की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक रही है। वर्षों तक पढ़ाने के बावजूद उन्हें स्थायी सेवा का लाभ नहीं मिलता। नियुक्ति हर सत्र में अनिश्चित रहती है, वेतन सीमित होता है और सामाजिक सुरक्षा के प्रावधान भी पर्याप्त नहीं हैं। कई अतिथि विद्वान वर्षों से कॉलेजों का शैक्षणिक भार संभाल रहे हैं, लेकिन उनके भविष्य को लेकर स्पष्ट नीति का अभाव बना हुआ है। सरकार का यह कहना उचित है कि अन्य राज्यों के बेहतर मॉडल का अध्ययन किया जाएगा। वास्तव में राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में लागू व्यवस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन उपयोगी हो सकता है। लेकिन यह प्रक्रिया अनिश्चितकाल तक नहीं चलनी चाहिए। मध्यप्रदेश में पहले भी कई मुद्दों पर समितियां बनीं, जिनकी रिपोर्टें लंबे समय तक निर्णय की प्रतीक्षा करती रहीं। इसलिए इस बार समिति के लिए स्पष्ट समय-सीमा और उसके सुझावों पर कार्रवाई का रोडमैप भी सार्वजनिक होना चाहिए।

सरकार को केवल नियमितीकरण के प्रश्न तक सीमित नहीं रहना चाहिए। फिक्स वेतन की तार्किक व्यवस्था, अनुभव का सम्मान, पारदर्शी चयन प्रक्रिया, सेवा सुरक्षा, वार्षिक वृद्धि, सामाजिक सुरक्षा और स्पष्ट सेवा नियम जैसी व्यवस्थाएं भी समान रूप से आवश्यक हैं। शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में अस्थायी व्यवस्था कभी स्थायी समाधान नहीं हो सकती।

यदि राज्य को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा देनी है तो शिक्षकों को सम्मानजनक और सुरक्षित कार्य वातावरण देना ही होगा। अतिथि विद्वानों का प्रश्न केवल रोजगार का नहीं, बल्कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता का भी है। अब समय समिति बनाने से आगे बढ़कर ठोस, पारदर्शी और समयबद्ध नीति लागू करने का है, ताकि वर्षों से प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों को न्याय मिल सके और शिक्षा व्यवस्था भी अधिक मजबूत बन सके।

विश्व जनसंख्या दिवस

आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन... रुकना चाहिए जनसंख्या विस्फोट

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हुए। देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है।

वास्तविकता यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी।

आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 प्रतिशत आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है।

देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिये से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुए दम्पत्तियों को तीन बच्चे करने की अनुमति क्यों दी गई, इसके कारण समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है।

जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा। 1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी वन चाइल्ड पॉलिसी को जिम्मेदार माना जाता है।

विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा। जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 3.4 थी, जो घटकर 2015 में 2.2 रह गई थी यानी सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक बढ़ने के बाद से गिरनी शुरू हो जाएगी और 2100 तक पहुंचते-पहुंचते सामान्य प्रजनन दर केवल 1.3 ही रह जाएगी। इसका अर्थ है कि तब अधिकांश परिवारों में केवल एक ही बच्चा होगा और भारत उसी स्थिति में खड़ा होगा, जिसमें वन चाइल्ड पॉलिसी के बाद चीन खड़ा हुआ और उसे विगत सात वर्षों में दो बार अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। इसलिए टू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिये जनसंख्या नियंत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरुकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है।

बगैर कड़े कानूनों के देश के ऐसे राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, जहां साक्षरता दर ज्यादा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में गरीब महिलाओं की प्रजनन दर करीब 3.2 है जबकि सम्पन्न महिलाओं में यह दर केवल 1.5 पाई गई है। इसी प्रकार अनपढ़ महिलाओं के औसतन 3.1 बच्चे होते हैं जबकि शिक्षित महिलाओं में यह संख्या औसतन 1.7 है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि जनसंख्या विस्फोट का सीधा संबंध सामाजिक और शैक्षिक स्थितियों से जुड़ा है। शिक्षा के अभाव में ही देश की बड़ी आबादी को छोटे परिवार के लाभ को लेकर जागरूक नहीं किया जा सका है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हिन्दू धर्म पर आधारित संस्कारों की शिक्षा पर लगी न्यायिक मुहर

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
स्तंभकार

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का हालिया निर्णय उन सभी के लिए नजीर है, जो अकसर भारतीय हिन्दू ज्ञान परंपरा और धर्म के मूल नैतिक तत्वों पर भी प्रश्न उठाते रहते हैं। इसलिए यह एक सरकारी परिपत्र की वैधानिकता तक सीमित न होकर उस मूल प्रश्न का उत्तर भी है, जिस पर लंबे समय से देश में बहस चल रही है कि क्या भारतीय संस्कृति और उसकी ज्ञान परंपरा को विद्यालयी शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए या नहीं। वस्तुतः सरकारी विद्यालयों में सरस्वती वंदना, गायत्री मंत्र, गुरु मंत्र और शांति मंत्र के वाचन संबंधी राज्य सरकार के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि संविधान किसी भी 'सांप्रदायिक सिद्धांतों से असंबद्ध नैतिक शिक्षा' पर रोक नहीं लगाता। यह टिप्पणी भारतीय शिक्षा व्यवस्था, संविधान और सांस्कृतिक विरासत के बीच संतुलन स्थापित करने वाली एक महत्वपूर्ण न्यायिक व्याख्या के रूप में देखी जानी चाहिए।

कहना होगा कि भारतीय शिक्षा की अवधारणा सदैव 'सा विद्या या विमुक्तये' के सिद्धांत पर आधारित रही है। यहां शिक्षा का उद्देश्य रोजगार प्राप्त करने के साथ ही ऐसे नागरिक तैयार करना है, जिनमें ज्ञान के साथ चरित्र, अनुशासन, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी हो। इसी कारण गुरुकुल परंपरा से लेकर आधुनिक विद्यालयों तक प्रार्थना, शांति पाठ, गुरु वंदना और नैतिक मूल्यों का विशेष स्थान रहा है। इन परंपराओं का मूल उद्देश्य मनुष्य के भीतर श्रेष्ठ संस्कारों का विकास करना रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने भी अपने विद्यालयों में जो व्यवस्था लागू की, उसका घोषित उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों से जोड़ना था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भी स्पष्ट रूप से भारतीय ज्ञान प्रणालियों, स्थानीय परंपराओं और मूल्य आधारित शिक्षा को विद्यालयी पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण अंग मानती है। ऐसे में राज्य सरकार का यह प्रयास उसी व्यापक नीति का विस्तार माना जा सकता है।

याचिकाकर्ताओं ने इस व्यवस्था को संविधान के अनुच्छेद 14, 21, 25, 28, 29 और 30 का उल्लंघन बताते हुए इसे धार्मिक शिक्षा का स्वरूप देने का प्रयास किया। उनका तर्क था कि सरकारी विद्यालयों में ऐसे मंत्रों का वाचन अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को असहज कर सकता है। यह एक संवैधानिक प्रश्न था, जिसका उत्तर सिर्फ भावनाओं के आधार पर देना संभव नहीं था, संविधान की भाषा और उसके उद्देश्य से ही दिया जा सकता था। यहीं पर उच्च न्यायालय का निर्णय महत्वपूर्ण हो जाता है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 28(1) का आशय राज्य पोषित संस्थानों में किसी विशेष धर्म के कर्मकांड, पूजा-पद्धति अथवा धार्मिक सिद्धांतों की शिक्षा को रोकना है, किंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि नैतिक शिक्षा, नागरिक कर्तव्यों, सामाजिक समरसता और चरित्र निर्माण से जुड़े सांस्कृतिक मूल्यों को भी प्रतिबंधित मान लिया जाए।

न्यायालय ने यह भी पाया कि सरकारी आदेश में ऐसा कोई बाध्यकारी प्रावधान नहीं है, जिससे किसी छात्र को उसकी धार्मिक मान्यता के विरुद्ध कार्य करने के लिए विवश किया जा रहा हो। महत्वपूर्ण यह भी है कि आदेश में किसी छात्र के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई का कोई प्रावधान नहीं था, इसलिए यह निर्णय भारतीय संस्कृति और भारतीय संविधान के बीच कृत्रिम टकराव पैदा करने वाली सोच पर भी अप्रत्यक्ष प्रश्नचिह्न लगाता है।

भारतीय परंपरा में गायत्री मंत्र को सद्बुद्धि की प्रार्थना, शांति मंत्र को समस्त विश्व के कल्याण की कामना और सरस्वती वंदना को ज्ञान के प्रति समर्पण का प्रतीक माना जाता है। इनका मूल भाव नैतिक और मानवीय है। इन्हें सिर्फ संकीर्ण धार्मिक दृष्टि से देखना भारतीय ज्ञान परंपरा की व्यापकता को सीमित कर देना होगा। इस निर्णय का एक और महत्वपूर्ण पक्ष राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 से जुड़ा है। नई शिक्षा नीति तकनीकी दक्षता से आगे समग्र व्यक्तित्व निर्माण पर बल देती है। उसमें भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत, नैतिक मूल्यों और संवैधानिक कर्तव्यों को शिक्षा का अभिन्न अंग बताया गया है। यदि विद्यालय बच्चों को केवल परीक्षा पास करने की मशीन बना दें और उनके भीतर अनुशासन, करुणा, कृतज्ञता, राष्ट्रबोध तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास न हो, तो शिक्षा अधूरी रह जाएगी।

आज जब समाज अनेक सामाजिक चुनौतियों, बढ़ती हिंसा, नशे की प्रवृत्ति, डिजिटल व्यसन और नैतिक संकट का सामना कर रहा है, तब विद्यालयों में मूल्य आधारित शिक्षा की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है। यह मूल्य किसी एक धर्म (हिन्दू) तक सीमित कर उन्हें संकीर्ण मान लेना उचित नहीं है, क्योंकि किसी भी धर्म के श्रेष्ठ सिद्धान्त सभ्य समाज की साझा आवश्यकता हैं। यदि भारतीय संस्कृति की सकारात्मक परंपराएं विद्यार्थियों में आत्मानुशासन, एकाग्रता, कर्तव्यबोध और श्रेष्ठ नागरिकता की भावना विकसित करने में सहायक बनती हैं, तो उन्हें पूर्वाग्रह के बजाय विवेकपूर्ण दृष्टि से देखा जाना चाहिए।

इसके साथ ही यहां यह भी स्पष्ट हो गया है कि जो लोग भारतीय हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को संकुचित आइने से देखते हैं, वे अपने दृष्टिकोण में विस्तार करें, हिन्दू धर्म के नैतिक मूल्य सर्वकल्याणकारी हैं, यानी वे प्रत्येक मनुष्य के जीवन को उत्तरोत्तर आगे श्रेष्ठ दिशा में बढ़ाने वाले हैं। यह किसी संप्रदाय, मत, पंथ, रिलीजन के सीमित दायरे से परे हैं। इसलिए हिन्दू धर्म के सभी सिद्धांत मनुष्य मात्र के हित के लिए हैं, वह सभी के लिए समान हितकारक हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

शरीर को ठंडा और शांत रखने के लिए शीतली प्राणायाम, एसिडिटी में भी राहत

योगा एक्सपर्ट्स गर्मियों में शीतली प्राणायाम की प्रैक्टिस नियमित रूप से कररने की सलाह देते हैं। शीतली प्राणायाम सांस लेने की एक पारंपरिक योग तकनीक है, जो शरीर को ठंडा और शांत रखने के लिए जानी जाती है। संस्कृत शब्द 'शीतली' का अर्थ है ठंडा या सुकून देने वाला। यह योगियों के लिए, खासकर गर्मी के मौसम में या मानसिक तनाव के समय, शरीर और मन को संतुलित और शांत रखने के लिए बहुत मददगार तकनीक है। हिमालय सिद्ध अक्षर कहते हैं कि इस योगासन में जब मुंह से ठंडी हवा अंदर खींचकर और नाक से बाहर निकालते हैं, तो शीतली प्राणायाम करने वाले व्यक्ति को ताजगी, शांति और सुकून का अनुभव होता है। शीतली प्राणायाम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे शरीर में ठंडक का एहसास होता है। गर्मी के मौसम में या कसरत के बाद, शरीर अपने अंदर के तापमान को एडजस्ट करने की कोशिश करता है। मुड़ी हुई जीभ से धीरे-धीरे हवा अंदर खींचने पर ठंडक का एहसास होता है, जो लगभग तुरंत महसूस होता है। आजकल की जीवनशैली भागदौड़, जिम्मेदारियों और मानसिक व्यस्तता से भरी होती है, जो लगभग हर समय बनी रहती है। शीतली प्राणायाम मन और शरीर को शांत करने का एक आसान तरीका है। धीरे-धीरे सांस लेने से ध्यान अंदर की ओर केंद्रित होता है और मन शांत व जागरूक अवस्था में आता है। पाचन तंत्र का ठीक रहना अच्छी सेहत और एनर्जी के लिए बहुत जरूरी है। पारंपरिक रूप से शीतली प्राणायाम की प्रकृति ठंडी मानी जाती है, जो पाचन तंत्र को ठीक करने और शांत करने में मदद कर सकती है। शीतली प्राणायाम शाम के समय किया जाने वाला एक हल्का अभ्यास है, जिससे शरीर को शांत करके नींद की कमी को दूर किया जा सकता है। धीरे-धीरे सांस लेने से आराम मिलता है और मन शांत होता है। जैसे-जैसे तनाव धीरे-धीरे कम होता है, शरीर आराम और रिकवरी की स्थिति में आ जाता है। शीतली प्राणायाम करने के लिए रीढ़ की हड्डी सीधी और कंधे नीचे रखकर आराम से बैठें। अपनी आंखें बंद करें और शरीर को आराम दें। जीभ को मोड़कर नली जैसा आकार बनाएं। अगर जीभ को मोड़ना मुश्किल हो, तो होंठों को थोड़ा सिकोड़ सकते हैं। मुड़ी हुई जीभ के जरिए मुंह से धीरे-धीरे और गहरी सांस लें। सांस अंदर लेते समय होंठों को बंद रखें। फिर, नाक से धीरे-धीरे सांस बाहर छोड़ें। इसे 5-10 बार दोहराएं। इस प्राणायाम का अभ्यास करना बहुत आसान है और यह हर उम्र और जीवनशैली के लोगों के लिए उपयुक्त है।

निशाना

समस्याएं नहीं हल लिखें..!

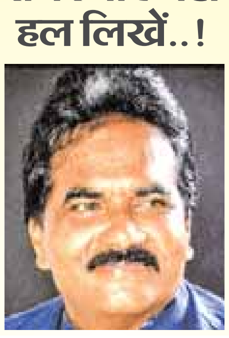

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

समस्याएं नहीं हल लिखें
ऐसी कोई ग़ज़ल लिखें,
आज कट गया जैसे भी
अब सुनहरा कल लिखें,
जिंदगी एक नियामत है
खूबसूरत हर पल लिखें,
दम तोड़ती है देखो नदी
इसमें बहता जल लिखें,
रावण हमारे बीच ही हैं
पहचान इनके छल लिखें,
कमजोर कदम क्या नापेंगे
हौसलों में अपने बल लिखें,
सत्य तो कहना ही होगा
अमृत के संग गरल लिखें।

गार्डनिंग

सस्ते घोल के इस्तेमाल से ढेरों नीले फूलों से लद जाएगा अपराजिता का पौधा

अपराजिता का पौधा भारतीय घरों में बहुत ही पवित्र और शुभ माना जाता है। भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का प्रिय होने के कारण इसे 'विष्णुप्रिया' भी कहा जाता है। इसके नीले रंग के खूबसूरत फूल न सिर्फ घर के वास्तु दोष को दूर करते हैं, बल्कि गार्डन की खूबसूरती में भी चार चांद लगा देते हैं। लेकिन अक्सर कई लोगों की यह शिकायत होती है कि उनके अपराजिता के पौधे में ग्रोथ तो अच्छी हो रही है, पर उसमें फूल नहीं आ रहे हैं। अगर आपके पौधे के साथ भी ऐसा ही हो रहा है, तो गार्डनिंग एक्सपर्ट ने मात्र 2 रुपये में घर पर ही एक लिक्विड फर्टिलाइजर बनाने का आसान तरीका बताया है। इस घोल की मदद से आपका अपराजिता का पौधा कुछ ही दिनों में अनगिनत नीले फूलों से लद जाएगा।

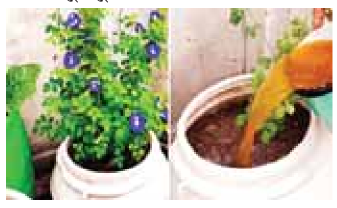

अपराजिता के पौधे में जबरदस्त फ्लावरिंग के लिए आपको बाजार से कोई केमिकल वाली खाद लाने की जरूरत नहीं है। माली के इस सीक्रेट फॉर्मूले के लिए आपको अपनी रसोई में रखी सिर्फ दो चीजों की जरूरत होगी। आधा लीटर से लेकर एक लीटर तक साफ पानी और आधा चम्मच कॉफी पाउडर-सिर्फ 2 रुपये का पाउच। आधा चम्मच हल्दी पाउडर- एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल। अपराजिता एक ऐसा पौधा है जिसे बढ़ने और ढेरों फूल पैदा करने के लिए एसिडिक मिट्टी की जरूरत होती है। जब मिट्टी का श्च॥ लेवल सही नहीं होता, तो पौधा पोषक तत्व नहीं ले पाता और फूल आना बंद हो जाते हैं। कॉफी पाउडर में भरपूर मात्रा में नाइट्रोजन होता है, जो पौधे की पत्तियों को हरा-भरा बनाता है।

घोल बनाने का आसान तरीका: इस लिक्विड फर्टिलाइजर को बनाना बेहद आसान है। इसके लिए एक बर्तन में आधा लीटर से लेकर एक लीटर तक साफ पानी लें। अब इस पानी में आधा चम्मच कॉफी पाउडर और आधा चम्मच हल्दी पाउडर डाल दें। एक चम्मच की मदद से इस पूरे मिश्रण को अच्छी तरह से घोल लें ताकि दोनों चीजें पानी में पूरी तरह सक्रिय हो जाएं। बस, 2 रुपये में आपका बेहतरीन होममेड फर्टिलाइजर बनकर तैयार है। पौधे की मिट्टी की हल्की गुड़ाई कर लें। किसी खुरपी या टूल की मदद से तने से थोड़ी दूरी पर मिट्टी को ऊपर-नीचे कर लें और अगर मिट्टी बहुत ज्यादा गीली हो, तो उसे थोड़ी देर धूप लगने दें।

अजब - गजब

कीड़ों को सुखाकर तैयार होती है इंसेक्ट वाइन, दुनिया के लोगों के लिए अजूबा

सोशल मीडिया पर इन दिनों चीन की एक पारंपरिक पेय चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसे आम बोलचाल में 'इंसेक्ट वाइन' या 'कीड़ों की वाइन' कहा जा रहा है। वायरल वीडियो में लोग खेतों और जंगलों की मिट्टी खोदकर विशेष प्रकार के लार्वा और कीट इकट्ठा करते दिखाई देते हैं। इन्हें साफ कर सुखाया जाता है और फिर चावल से बनी शराब (राइस वाइन) या अन्य अल्कोहल में मिलाकर पारंपरिक पेय तैयार किया जाता है। इसकी अनोखी विधि ने दुनिया भर के लोगों का ध्यान खींचा है।

विशेषज्ञों के अनुसार चीन के विभिन्न क्षेत्रों में सदियों से पारंपरिक चिकित्सा पद्धति ट्रेडिशनल चाइनीज मेडिसिन (TCM) में कुछ प्रकार के कीटों, लार्वा और जड़ी-बूटियों का उपयोग किया जाता रहा है। हालांकि वायरल वीडियो में दिखाई गई सभी सामग्री या विधियां पूरे चीन में प्रचलित नहीं हैं। अलग-अलग प्रांतों में इनके तरीके और उपयोग भी अलग हैं। स्थानीय लोग मिट्टी से निकाले गए लार्वा को पहले अच्छी तरह साफ करते हैं। इसके बाद उन्हें धूप में या नियंत्रित तापमान पर सुखाकर पाउडर बनाया जाता है। कई जगह यह पाउडर चावल की शराब में मिलाया जाता है, जबकि कुछ स्थानों पर पूरे सूखे लार्वा को सीधे शराब में कई सप्ताह या महीनों तक डुबोकर रखा जाता है, ताकि उनके प्राकृतिक तत्व पेय में मिल सकें। कुछ समुदाय इन्हें हल्का भूनकर भी उपयोग करते हैं। चीन की पारंपरिक चिकित्सा में माना जाता है कि ऐसे कुछ कीट शरीर की ऊर्जा बढ़ाने, थकान कम करने और प्रतिरक्षा क्षमता को मजबूत करने में सहायक हो सकते हैं। हालांकि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के अनुसार इन दावों की पुष्टि के लिए पर्याप्त और उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी पारंपरिक पेय या औषधीय उत्पाद का सेवन चिकित्सकीय सलाह के बिना नहीं करना चाहिए। वायरल वीडियो के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कुछ लोगों ने इसे देखकर आश्चर्य और असहजता जताई, जबकि कई लोगों ने इसे चीन की सांस्कृतिक और खाद्य विविधता का हिस्सा बताया।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर लगातार नाकामी से उठे सवाल...

लगातार दूसरी टी-20 सीरीज गंवाने पर टीम इंडिया कटघरे में, गंभीर-अय्यर से जवाब मांगेगा BCCI

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टी20 टीम का इंग्लैंड दौरा उम्मीदों के बिल्कुल विपरीत रहा है। ब्रिस्टल में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को 9 विकेट से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। इससे पहले पहला मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था। इस हार के साथ भारत लगातार दूसरी टी20 सीरीज हारने की कगार पर पहुंच गया है। आयरलैंड के खिलाफ 0-2 से सीरीज गंवाने के बाद अब इंग्लैंड के खिलाफ भी टीम का प्रदर्शन पूरी तरह निराशाजनक रहा है।

लगातार खराब नतीजों के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भी सख्त रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। बोर्ड सूत्रों के मुताबिक इंग्लैंड दौरा समाप्त होते ही कप्तान श्रेयस अय्यर, हेड कोच गौतम गंभीर और पूरे कोचिंग स्टाफ के साथ समीक्षा बैठक होगी। टीम चयन, रणनीति और मैदान पर फैसलों को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने साफ कहा कि टीम का प्रदर्शन चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि सीरीज समाप्त होने के बाद कप्तान और हेड कोच के साथ बैठक कर यह समझने की कोशिश की जाएगी कि आखिर लगातार हार की वजह क्या रही और टीम को दोबारा जीत की राह पर कैसे लौटाया जाए।

158 रन भी नहीं बचा सकी भारतीय टीम

ब्रिस्टल में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर सिर्फ 158 रन ही बना सकी। कप्तान श्रेयस अय्यर ने शानदार संघर्ष करते हुए 49 गेंदों में नाबाद 80 रन बनाए, लेकिन दूसरे बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके। मध्यक्रम एक बार फिर पूरी तरह विफल रहा और टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। 159 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत जरूर धीमी रही और अर्शदीप सिंह ने तीसरे ओवर में जोस बटलर को आउट कर भारत को शुरुआती सफलता दिलाई। लेकिन इसके बाद हैरी ब्रूक और फिल सॉल्ट ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर धुनाई कर दी। ब्रूक ने सिर्फ 35 गेंदों में नाबाद 79 रन बनाए, जबकि सॉल्ट 59 रन बनाकर अंत तक टिके रहे।

दूसरी सीरीज में क्लीन स्वीप जैसी स्थिति

सीरीज पहले ही हाथ से निकल चुकी है, लेकिन साउथम्पटन में होने वाला आखिरी मुकाबला भारत के लिए सम्मान बचाने का अवसर होगा। यदि टीम यहां भी हारती है तो लगातार दूसरी टी20 सीरीज में क्लीन स्वीप जैसी स्थिति बन जाएगी। ऐसे में खिलाड़ियों के साथ-साथ कप्तान श्रेयस अय्यर और हेड कोच गौतम गंभीर पर भी दबाव बढ़ना तय है। दौरे के बाद होने वाली बीसीसीआईसमीक्षा बैठक में टीम की रणनीति, चयन और नेतृत्व पर बड़े सवाल उठ सकते हैं। भारतीय क्रिकेट में आने वाले दिनों में कुछ अहम फैसले देखने को मिल सकते हैं।

नंबर-1 टी20 बल्लेबाज का बल्ला पड़ गया ठंडा

यूरोप में ईशान की खामोशी ने बढ़ाई टीम इंडिया की टेंशन

नई दिल्ली। कुछ महीने पहले तक जिस ईशान किशन का बल्ला हर मैच में रन उगल रहा था, वही अब यूरोप की धरती पर संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर दुनिया के नंबर-1 टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज बने ईशान किशन आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर अपनी लय पूरी तरह खो चुके हैं। लगातार खराब पारियों ने न सिर्फ उनकी फॉर्म पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि भारतीय टीम की बल्लेबाजी को भी मुश्किल में डाल दिया है। यूरोप दौरे पर ईशान ने अब तक छह पारियों में केवल 79 रन बनाए हैं। उनका औसत 13.16 और स्ट्राइक रेट 108.21 रहा है, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी की पहचान से बिल्कुल उलट है। सबसे बड़ी चिंता सिर्फ रन नहीं, बल्कि हर मैच में लगभग एक जैसी गलती दोहराकर आउट होने की है। बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ ईशान ने पहली दो पारियों में क्रमशः 1 और 12 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। दूसरे मुकाबले में उन्होंने 40 गेंदों पर 49 रन बनाकर वापसी के संकेत दिए, लेकिन यह लय ज्यादा देर कायम नहीं रह सकी। अगले दो मैचों में उनके बल्ले से केवल 13 और 4 रन निकले। विशेषज्ञों का मानना है कि इंग्लैंड और आयरलैंड की तेज पिचों पर अतिरिक्त उछाल और गेंद की मूवमेंट को समझने में ईशान लगातार संघर्ष कर रहे हैं। यही वजह है कि विपक्षी गेंदबाज उनकी कमजोरी को निशाना बना रहे हैं।

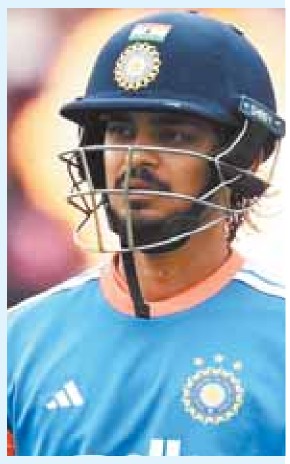

16 छक्के और 28 बॉल पर शतक... मोहम्मद नबी के बेटे ने बल्ले से मचाई तबाही

खोस्त। उज्बेकिस्तान और अफगानिस्तान XI के बीच इकलौता मुकाबला खोस्त के रहमत वली मसरूर क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में अफगानी टीम के लिए सलामी बल्लेबाज हसन ईसाखिल ने बल्ले से तबाही मचा दी। ईसाखिल ने उज्बेकिस्तानी गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए सिर्फ 28 बॉल पर शतक जड़ दिया।

दाएं हाथ के बल्लेबाज हसन ईसाखिल ने इस मैच में 34 गेंदों पर 120 रन बनाए, जिसमें 16 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। यानी ईसाखिल ने 112 रन सिर्फ बाउंड्री के जरिए बनाए। ईसाखिल के तूफानी शतक के दम पर अफगानिस्तान इ्रढ्ढ ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 323 रन बना दिए। जवाब में उज्बेकिस्तान की टीम सात विकेट पर 124 रन ही बना सकी और उसे 199 रनों से हार का सामना करना पड़ा। हसन ईसाखिल ने कप्तान इमरान मीर के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 181 रनों की तूफानी साझेदारी की। ये साझेदारी 60 गेंदों की रही। इमरान मीर ने 7 छक्के और 5 चौके की मदद से 32 बॉल पर 74 रनों का योगदान दिया। फैसल शिनोजोदा (31 रन), नूर उल रहमान (29 रन), केरामतुल्लाह (21 रन) और इस्मत आलम (नाबाद 16 रन) ने भी बल्ले से उपयोगी योगदान दिया। उज्बेकिस्तान की ओर से मेराजुद्दीन और अमानुल्लाह ने दो-दो विकेट झटके।

अब तक खेले हैं 4 फर्स्ट क्लास मुकाबले

19 वर्षीय हसन ईसाखिल अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर मोहम्मद नबी के बेटे हैं। ईसाखिल ने अब तक 4 फर्स्ट क्लास, 14 लिस्ट और 38 टी20 मुकाबले खेले हैं। ईसाखिल ने फर्स्ट क्लास मैचों में 47.14 की औसत से 330 रन बनाए हैं, जिसमें 2 शतक शामिल रहे. वहीं लिस्ट-ए क्रिकेट में ईसाखिल के नाम पर 41.85 के एवरेज से 586 रन दर्ज हैं। लिस्ट-ए क्रिकेट में ईसाखिल ने 1 शतक और 4 अर्धशतक लगाए हैं। टी20 क्रिकेट में ईसाखिल ने 30.05 के एवरेज से 1022 रन स्कोर किए हैं। इस दौरान उन्होंने 1 शतक और 7 अर्धशतक जड़े. ईसाखिल ने अफगानिस्तान के लिए अब तक इंटरनेशनल डेब्यू नहीं किया है, लेकिन अफगानिस्तान की अंडर-19 टीम का पार्ट रह चुके हैं।

पहली बार भारत में गूंजेगा बिग बैश लीग का रोमांच

चेन्नई बनेगा बीबीएल 2026-27 का उद्घाटन स्थल भारत-ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट रिश्तों को मिलेगी नई उड़ान

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 क्रिकेट लीगों में शामिल ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) पहली बार अपनी सीमाओं से बाहर कदम रखने जा रही है। बीबीएल 2026-27 सीजन का उद्घाटन मुकाबला भारत के चेन्नई स्थित एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। यह पहली बार होगा जब ऑस्ट्रेलिया की घरेलू टी20 लीग का कोई आधिकारिक मैच विदेशी धरती पर आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स की टीमें 12 दिसंबर को आमने-सामने होंगी।

इस विशेष मुकाबले की घोषणा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान की। इस फैसले को दोनों देशों के मजबूत होते खेल संबंधों का नया प्रतीक माना जा रहा है।

क्रिकेट इतिहास में यह पहला अवसर होगा जब भारत किसी विदेशी पेशेवर क्रिकेट लीग के आधिकारिक मुकाबले की मेजबानी करेगा। चेन्नई में होने वाले इस मैच में मेलबर्न रेनेगेड्स को मेजबान टीम का दर्जा मिलेगा, जबकि पर्थ स्कॉर्चर्स उसके खिलाफ मैदान में उतरेगी। भारतीय दर्शक इस मुकाबले का सीधा प्रसारण जियोस्टार पर देख सकेंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के दो प्रमुख प्रसारण चैनल भी अपनी कमेंट्री और ब्रॉडकास्ट टीम भारत भेजेंगे, ताकि इस ऐतिहासिक आयोजन का वैश्विक स्तर पर सीधा प्रसारण किया जा सके। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का मानना है कि भारत में मुकाबला आयोजित करने से बिग बैश लीग को करोड़ों नए दर्शकों तक पहुंचने का अवसर मिलेगा।

फीफा विश्व कप 2026... अब फ्रांस से होगा महामुकाबला

स्पेन सेमीफाइनल में, बेल्जियम को 2-1 से हराकर बनाई जगह, मेरिनो बने जीत के हीरो

लॉस एंजिलिस, एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में स्पेन के लिए फाबियन रूइज और मिकेल मेरिनो ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से चार्ल्स डी केटेलारे ने एकमात्र गोल दागा। अब सेमीफाइनल में स्पेन का सामना मौजूदा उपविजेता फ्रांस से होगा। यह मुकाबला डलास स्टेडियम में खेला जाएगा।

फाबियन रूइज ने दिलाई शुरुआती बढ़त- स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने सभी को चौंकाते हुए पेड्री की जगह फाबियन रूइज को शुरुआती एकादश में मौका दिया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ। मैच के 30वें मिनट में बेल्जियम के गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ ने दानी ओल्मो का पहला शॉट रोक लिया, लेकिन रीबाउंड पर फाबियन रूइज ने शानदार फिनिश करते हुए स्पेन को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद युवा स्टार लामिन यामाल ने भी बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट मामूली अंतर से गोलपोस्ट के बाहर निकल गया।

डी केटेलारे ने बेल्जियम की कराई वापसी

पहले हाफ के अंत से ठीक पहले बेल्जियम ने शानदार जवाब दिया। केविन डी ब्रुने ने शानदार थ्रू पास देकर टिमोथी कास्टान्ये को आगे बढ़ाया। कास्टान्ये के सटीक क्रॉस पर चार्ल्स डी केटेलारे ने 41वें मिनट में हेडर के जरिए गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन निर्णायक पल 88वें मिनट में आया। बेल्जियम के अनुभवी गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ 71वें मिनट में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह आए सेने लामेन्स ने पाउ क्यूबार्सी के दूर से लगाए गए शॉट को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके। रीबाउंड पर हाल ही में मैदान में उतरे मिकेल मेरिनो ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया और स्पेन को 2-1 की बढ़त दिला दी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

चहल की EX वाइफ धनश्री वर्मा संग नाचीं अक्षरा सिंह

हिलाया यूपी-बिहार

भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह के सितारे बुलंदियों पर हैं। अक्षय कुमार की फिल्म वेलकम टू द जंगल से उनका बॉलीवुड डेब्यू हो चुका है। वेलकम टू द जंगल के बाद उनका अगला प्रोजेक्ट श्रद्धा कपूर के साथ है। इस बीच अक्षरा ने सोशल मीडिया पर नया धमाका कर दिया है। डांसर-कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने अक्षरा सिंह के साथ नया वीडियो शेयर किया है, जिसमें दोनों बहनों की तरह डांस करती नजर आईं।

डांसिंग क्वीन धनश्री वर्मा ने इंस्टाग्राम एक डांस रील शेयर की है, जिसमें वो भोजपुरी क्वीन के साथ छम्मा-छम्मा गाने पर डांस कर धमाल मचा रही हैं। वीडियो में धनश्री और अक्षरा एक जैसे कपड़ों में नजर आईं। डांस वीडियो में दोनों के ठुमके और एक्सप्रेशन दोनों ही लाजवाब हैं। धनश्री और अक्षरा ने अपने डांस से वाकई तहलका मचा दिया है।

धनश्री और अक्षरा का ये कोलैबोरेशन किसी की भी उम्मीदे से परे था। धनश्री ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि कुछ गाने कभी पुराने नहीं होते। समय के साथ और भी ज्यादा जीवंत हो जाते हैं। उनकी एनर्जी रुकने का नाम ही नहीं लेती। आगे उन्होंने वीडियो में एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर को टैग करते हुए लिखा कि मेरी सबसे पसंदीदा परफॉर्मर। इस गाने में आपको देख कर बहुत अच्छा लगा। अक्षरा ने वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा कि एनर्जी ही एनर्जी को पहचानती है। लव यू।

फैन्स ने किया रिएक्ट

धनश्री और अक्षरा को साथ थिरकते देख सेलेब्स-फैन्स क्रेजी हो गए हैं। संभावना सेठ ने कमेंट में हार्ट इमोजी शेयर कर प्यार लुटाया है। रश्मि देसाई ने भी हार्ट इमोजी शेयर की है। सलीम मर्चेंट ने भी हार्ट इमोजी शेयर कर वीडियो पर रिएक्ट किया। एक फैन ने लिखा धनश्री और अक्षरा दोनों तबाही। एक ने लिखा कि फायर। अन्य फैन ने कहा कि सोचा नहीं था कि दोनों को साथ डांस करते देखेंगे। कई फैन्स ने कहा कि एक जैसे कपड़ों में दोनों बहनें लगी रही हैं। दूसरे यूजर ने कहा दोनों की परफॉर्मेंस किलर है।

राघव की गोद में बैठकर इवेंट से निकलीं शहनाज, बर्थडे पर कंफर्म किया रिश्ता..

एक्टर-डांसर राघव जुयाल इन दिनों कई वजहों से सुर्खियों में हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म भाई तेरा स्टार है का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म रिलीज से पहले 10 जुलाई को मुंबई में उन्होंने अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया। राघव की बर्थडे पार्टी में फिल्म और टेलीविजन जगत की तमाम हस्तियों ने शिरकत की। पार्टी के कई वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं।

राघव की पार्टी में आर्यन खान और शहनाज गिल को भी देखा गया। एक वीडियो में राघव, आर्यन और शहनाज साथ दिखे। आर्यन आगे-आगे चल रहे थे। उनके पीछे राघव और शहनाज दिखाई दिए। वायरल वीडियो में राघव, शहनाज को प्रोटेक्ट करते दिखे। इसके अलावा जो दिखा उसने हर किसी को हैरान कर दिया है।

बर्थडे पार्टी से वायरल हुए वीडियो में राघव, शहनाज का हाथ पकड़कर कार तक पहुंचते हैं। राघव पहले कार में बैठते हैं। इसके बाद शहनाज कार के अंदर जाती हैं। कार के अंदर जाते हुए शहनाज को राघव की गोद में बैठते देखा गया। ये पहला मौका है जब राघव और शहनाज को इतने करीब देखा गया। किसी का भाई किसी की जान की शूटिंग के समय दोनों के रोमांस के चर्चे थे। पर दोनों ने कभी इसे नहीं कुबूला। पर अब जो वीडियो सामने आया है, उसे देखकर फैन्स कयास लगा रहे हैं कि दोनों प्यार में हैं। राघव वो पर्सनैलिटी हैं, जो अपनी निजी जिंदगी को प्राइवेट रखना पसंद करते हैं। वो कभी लाइमलाइट के लिए पैपराजी का सहारा नहीं लेते हैं। इसलिए ना तो वो एयरपोर्ट पर दिखते हैं और ना मुंबई की सड़कों पर। लेकिन अगर इस बार राघव ने खुलेआम शहनाज का हाथ पकड़ा है, तो मतलब दाल में कुछ तो काला है। ऐसा हम नहीं पब्लिक सोच रही है।

मेट्रो बाजार

अधिक अल्कोहलयुक्त दवाओं की बिक्री के लिए लाइसेंस और डॉक्टर के पर्चे की होगी अनिवार्यता: सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अधिक मात्रा में एथिल अल्कोहल युक्त औषधीय फॉर्मूलेशनों दवाओं के नियमन को सख्त कर दिया। सरकार ने ऐसे उत्पादों की बिक्री के लिए लाइसेंस और डॉक्टर के पर्चे को अनिवार्य कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य इन दवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाना और साथ ही वास्तविक चिकित्सीय जरूरतों के लिए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

मंत्रालय ने बताया कि इलायची, अदरक और अन्य सुगंधित औषधीय फॉर्मूलेशन की टिंचर जैसी कई औषधीय तैयारियों को पहले अनुसूची-के के तहत लाइसेंस संबंधी आवश्यकताओं से छूट प्राप्त थी। हालांकि, इनमें से कुछ उत्पादों में 80 से 90 प्रतिशत तक एथाइल अल्कोहल होता है, जिससे इनके नशे के उद्देश्य से दुरुपयोग की आशंका रहती है। केंद्र सरकार ने यह भी बताया कि कुछ राज्य सरकारों ने ऐसे उत्पादों के दुरुपयोग को लेकर चिंता जताते हुए इस संबंध में सुझाव और संदर्भ भेजे थे। इस समस्या के समाधान के लिए सरकार ने तय किया है कि 12 प्रतिशत से अधिक एथाइल अल्कोहल वाली और 30 मिलीलीटर से अधिक पैकिंग में उपलब्ध सभी औषधीय तैयारियां अब अनुसूची-के के तहत मिलने वाली छूट की पात्र नहीं होंगी। इसके परिणामस्वरूप ऐसे उत्पादों के निर्माता और विक्रेताओं को अब औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत आवश्यक लाइसेंस प्राप्त करना होगा। संशोधन के तहत इन औषधीय तैयारियों को ड्रग्स रूल्स, 1945 की अनुसूची-एच1 में भी शामिल किया गया है।

ई-20 पेट्रोल पर सरकार का दावा, माइलेज थोड़ा घटेगा, इंजन चलेगा बेहतर और प्रदूषण होगा कम

नई दिल्ली। ई20 पेट्रोल को लेकर उठ रहे सवालों के बीच केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस ईंधन के इस्तेमाल से कुछ वाहनों का माइलेज 3 से 5 प्रतिशत तक कम हो सकता है, लेकिन इसके बदले वाहन चालकों को बेहतर इंजन परफॉर्मेंस, तेज एक्सेलरेशन, अधिक ऑक्टेन रेटिंग और कम प्रदूषण जैसे कई महत्वपूर्ण फायदे मिलते हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि केवल माइलेज के आधार पर ई20 का मूल्यांकन करना उचित नहीं होगा।

मंत्रालय के अनुसार, ई20 ईंधन को लागू करने से पहले ऑटोमोबाइल कंपनियों, ऑटो पार्ट्स निर्माताओं, परीक्षण एजेंसियों और अनुसंधान संस्थानों के साथ व्यापक स्तर पर चर्चा और परीक्षण किए गए। इंजन की क्षमता, फ्यूल सिस्टम, उत्सर्जन, टिकाऊपन, ड्राइविंग अनुभव और ईंधन दक्षता जैसे सभी पहलुओं की विस्तार से जांच की गई। सरकार ने कहा कि वर्ष 2021 में ही ई20 के लिए रोडमैप सार्वजनिक कर दिया गया था, जिससे उद्योग जगत को पर्याप्त तैयारी का समय मिल सके। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि यदि वाहन निर्माता कंपनियां ई20 को लेकर संतुष्ट नहीं होतीं तो वे इस ईंधन के उपयोग पर वारंटी कभी नहीं देतीं। वर्तमान में लगभग सभी प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियां नई और पुरानी दोनों तरह की गाड़ियों के लिए ई20 के उपयोग पर वारंटी प्रदान कर रही हैं। मंत्रालय ने उदाहरण देते हुए बताया कि मारुति सुजुकी ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 2.84 करोड़ वाहनों की सर्विसिंग की, जिनमें लगभग 1.5 करोड़ गैर-ई20 प्रमाणित वाहन भी शामिल थे। कंपनी को म्20 के कारण इंजन में जंग, अतिरिक्त घिसाव या पुर्जों के खराब होने जैसी कोई समस्या नहीं मिली। इसी तरह हीरो मोटोकॉर्प ने भी अपने फील्ड अनुभव में किसी गंभीर तकनीकी समस्या की पुष्टि नहीं की।

नहर में पानी छोड़ने से भाखड़ा बांध के जलस्तर में आई 20 फीट की गिरावट

नंगल (ऊना)। भाखड़ा बांध के पीछे बनी गोबिंद सागर झील में पानी की आवक लगातार कम होती जा रही है। बीबीएमबी के सहयोगी राज्यों में पानी की मांग अधिक होने के कारण भाखड़ा बांध से नंगल डैम और नंगल डैम से सतलुज दरिया, नंगल हाइडल व आंनदपुर साहिब हाइडल नहर में अधिक पानी छोड़ा जा रहा है, जोकि बीबीएमबी के लिए चिंता का विषय है। बात बीते 15 दिनों की करें तो भखड़ा डैम के जलस्तर में 20 फीट की कमी दर्ज की गई है। बीबीएमबी द्वारा दर्शाए गए आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो 22734 क्यूसेक पानी की आमद के साथ भाखड़ा डैम के पीछे बनीगोबिंद सागर झील का जलस्तर 1554.85 फीट तक जा पंहुचा था, जबकि भाखड़ा डैम से विद्युत उत्पादन के लिए 29650 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। बात अगर नंगल डैम से नंगल हाइडल नहर में छोड़े जाने वाले पानी की करें तो उसमें 12500, आंनदपुर साहिब हाइडल नहर में 10150 जबकि नंगल डैम से सतलुज दरिया में 7000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

65 साल बाद भगवान जगन्नाथ मंदिर के पक्ष में आया ऐतिहासिक फैसला

300 करोड़ रुपए की 57 एकड़ जमीन फिर होगी मंदिर के नाम

भुवनेश्वर। एजेंसी

ओडिशा राजस्व बोर्ड ने एक ऐतिहासिक फैसले में भगवान जगन्नाथ की करीब 57 एकड़ मूल्यवान भूमि को दोबारा मंदिर के नाम दर्ज करने का आदेश दिया है। खुर्दा जिले की जटनी तहसील के कुड़ियारी मौजा स्थित इस भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 300 करोड़ रुपये आंका गया है। यह भूमि वर्ष 1961 में औद्योगिक विकास के उद्देश्य से एक निजी कंपनी को लीज पर दी गई थी, लेकिन छह दशक से अधिक समय तक यह मामला कानूनी विवाद में उलझा रहा। राजस्व बोर्ड के सदस्य सत्यव्रत साहू की अध्यक्षता वाली अदालत ने दो पुनरीक्षण याचिकाओं को स्वीकार करते हुए लीज को अवैध करार दिया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि लीज ओडिशा हिंदू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-19 का उल्लंघन करते हुए दी गई थी, क्योंकि इसके लिए एंडोमेंट कमिश्नर की पूर्व अनुमति नहीं ली गई थी। अदालत ने जटनी तहसीलदार को राजस्व अभिलेखों में संशोधन कर भूमि को भगवान जगन्नाथ, पुरी के नाम दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। इस फैसले को मंदिर की संपत्तियों के संरक्षण और धार्मिक संस्थाओं के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मंदिर संपत्तियों की सुरक्षा की दिशा में बड़ा संदेश

राजस्व बोर्ड के इस फैसले को केवल भूमि विवाद का निपटारा नहीं, बल्कि धार्मिक और सार्वजनिक न्यासों की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक मिसाल माना जा रहा है। अदालत ने निर्देश दिया है कि विवादित भूमि को राजस्व अभिलेखों में भगवान जगन्नाथ, पुरी के नाम दर्ज किया जाए और उसे 'अनाबादी-पुरातन पतित' श्रेणी में शामिल किया जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला भविष्य में मंदिरों और धार्मिक संस्थाओं की संपत्तियों के संरक्षण के मामलों में महत्वपूर्ण संदर्भ बनेगा। इससे यह भी स्पष्ट संदेश गया है कि धार्मिक संपत्तियों के उपयोग और हस्तांतरण में कानूनी प्रक्रियाओं का पालन अनिवार्य है और नियमों के उल्लंघन पर दशकों पुराने निर्णय भी पलटे जा सकते हैं।

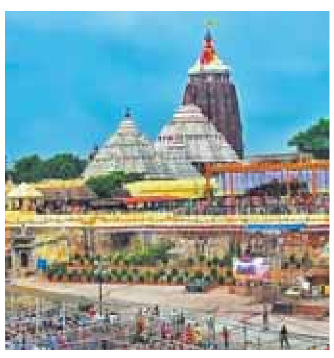

ऐसे शुरू हुआ था विवाद

कुड़ियारी मौजा की यह 57 एकड़ भूमि वर्ष 1961 में औद्योगिक विकास के नाम पर एक निजी कंपनी को लीज पर दी गई थी। उस समय दावा किया गया था कि यहां उद्योग स्थापित कर क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। हालांकि, वर्षों बीत जाने के बावजूद प्रस्तावित उद्योग कभी अस्तित्व में नहीं आया। भूमि खाली पड़ी रही और मंदिर प्रशासन को भी इससे कोई आर्थिक लाभ प्राप्त नहीं हुआ। बाद में इस लीज की वैधता और प्रक्रिया को लेकर सवाल उठने लगे। मामला कानूनी प्रक्रिया से गुजरते हुए राजस्व बोर्ड तक पहुंचा।

अवैध घोषित हुई थी लीज

राजस्व बोर्ड ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि मंदिर की संपत्ति को लीज पर देने के लिए ओडिशा हिंदू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-19 के तहत एंडोमेंट कमिश्नर की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य था। जांच में पाया गया कि संबंधित अधिकारियों ने यह अनुमति प्राप्त किए बिना ही भूमि का हस्तांतरण कर दिया था। अदालत ने इसे कानून का सीधा उल्लंघन माना और 1961 की लीज को निरस्त कर दिया। अदालत ने यह भी कहा कि रिकॉर्ड ऑफ राइट्स किसी संपत्ति के स्वामित्व का अंतिम प्रमाण नहीं होता। यदि वह किसी अवैध लेन-देन या प्रक्रिया के आधार पर तैयार हुआ हो तो उसमें संशोधन किया जा सकता है।

एकनाथ शिंदे का उद्धव सेना पर पलटवार

सिद्धिविनायक मंदिर में हुई लूट के विरुद्ध क्यों नहीं की गई कोई कार्रवाई

मुंबई। एजेंसी

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी को लेकर हमलावर शिवसेना (यूबीटी) पर पलटवार करते हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सवाल किया कि तत्कालीन प्रदेश सरकार ने प्रख्यात सिद्धिविनायक मंदिर में हुई 'लूट' की जांच का आदेश क्यों नहीं दिया था।

मानसून सत्र के आखिरी दिन विधान परिषद में शिंदे ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर में कथित गबन से भक्तों को दुख पहुंचा है और इस मामले में दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। शिंदे ने कहा, 'राम मंदिर में जो हुआ, उसका कोई समर्थन नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसी को नहीं बख्शेंगे। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) और उसके प्रमुख उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि उनके सहयोगियों ने देश के सबसे अमीर मंदिरों में से एक सिद्धिविनायक मंदिर को लूटने का पाप किया था। (तत्कालीन) सरकार ने जांच का आदेश क्यों नहीं दिया था? गौरतलब है कि जब उद्धव ठाकरे 2019 से 2022 तक मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों की नियुक्ति की थी। शिंदे उनकी सरकार का हिस्सा थे। जून 2022 में उन्होंने बगावत करके सरकार गिरा दी थी। शिंदे ने याद दिलाया कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने उस समय सिद्धिविनायक मंदिर में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया था।

दोषी मिलूं तो मंदिर के सामने फांसी दे देना

सीएम शिंदे के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रहे मराठी अभिनेता आदेश बांदेकर ने कहा कि अगर वह किसी भी अनियमितता के दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें मंदिर के सामने फांसी दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरा कार्यकाल खत्म हुए तीन वर्ष हो चुके हैं। करीब चार वर्ष पहले राज्य विधानसभा के सत्र के दौरान भी ऐसा ही मामला सामने आया था। सभी कार्यकारी अधिकारियों को मंत्रालय (राज्य सचिवालय) द्वारा नियुक्त किया जाता है। अगर कोई गड़बड़ी थी, तो उन्हें इसे उजागर करना चाहिए था। बांडेकर पहले एकीकृत शिवसेना से जुड़े हुए थे। उन्होंने कहा कहा कि पिछले तीन वर्ष से कोई और व्यक्ति ट्रस्ट का प्रमुख है और आशंका जताई कि संबंधित दस्तावेज से छेड़छाड़ की जा सकती है। गौरतलब है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने जुलाई, 2020 में बांडेकर को दूसरे कार्यकाल के लिए ट्रस्ट का चेयरमैन फिर नियुक्त किया था।

न्यूज विंडो

वडोदरा : भारी बारिश के बीच ढाढर नदी में दिखा मगरमच्छों का झुंड

अहमदाबाद। मानसून की शुरुआत के साथ ही हर साल की तरह इस साल वडोदरा के रिहायशी इलाकों में मगरमच्छ निकलने लगे हैं। बारिश का मौसम शुरू होते ही शहर के अलग-अलग इलाकों में घूमते हुए देखे जा रहे हैं, जिससे लोगों की चिंता काफी बढ़ गई है। हाल ही में शहर के पश्चिमी इलाके के टंडलजा गांव और पॉश वासना-भयाली रोड पर मगरमच्छ देखे गए हैं, जिससे पूरे इलाके में डर का माहौल है। पाद्रा-करजन रोड पर कोथवाड़ा गांव के पास ढाढर नदी में एक साथ तैरते मगरमच्छों के झुंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

दिल्ली : खड़े टैंकर से टकराई ईको कार, चार चुवकों की मौत

रामपुर। टांडा-दढ़ियाल मार्ग पर आज सुबह पांच बजे ईको कार खड़े टैंकर में पीछे से घुस गई। हादसे में कार सवार चार युवकों की मौत हो गई जबकि, तीन गंभीर रूप से घायल हैं। दिल्ली स्थित इंडियन शाप कंपनी में कार्यरत कर्मचारियों को कंपनी की ओर से रामनगर के जिम कार्बेट पार्क घूमने के लिए ट्रिप दी गई थी। दो कारों में सवार होकर कुल 12 कर्मचारी शुक्रवार रात करीब दस बजे दिल्ली से रामनगर के लिए रवाना हुए थे। एक कार आगे चल रही थी। जिसमें पांच लोग सवार थे जबकि, पीछे चल रही ईको में सात कर्मचारी सवार थे। टांडा-दढ़ियाल मार्ग पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने सड़क किनारे खड़े एक कैंटर में कार पीछे से तेज रफ्तार में जा घुसी।

12 करोड़ लोगों को ड्रग्स के खिलाफ शपथ दिलाएंगे पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 अगस्त को नशा मुक्त भारत अभियान की छठी वर्षगांठ के मौके पर 12 करोड़ से अधिक नागरिकों ड्रग्स के गलत इस्तेमाल के विरुद्ध राष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक शपथ दिला सकते हैं। एक बयान में कहा गया है कि इस देशव्यापी सामूहिक शपथ कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा किया जाएगा। संयुक्त सचिव (ड्रग रोकथाम) संदीप रेवाजी राठौड़ ने इस संबंध में कार्यान्वयन रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में नशा मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप भौतिक और ऑनलाइन माध्यमों से देशव्यापी शपथ में तय संख्या में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने की योजना और व्यापक रणनीति पर चर्चा की गई। साथ ही देशव्यापी शपथ कार्यक्रम के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों, अभिभावकों, स्वयंसेवकों और अन्य हितधारकों को एकजुट करने में संबंधित मंत्रालयों और विभागों की भूमिका पर भी चर्चा की गई।

गाजियाबाद के निर्माणाधीन मॉल में 7 साल की बच्ची की हत्या, दुष्कर्म की आशंका

गाजियाबाद, एजेंसी

गाजियाबाद में राजनगर एक्सटेंशन के निर्माणाधीन मॉल में एक सात साल की बच्ची की सिर में लोहे की रॉड मारकर हत्या कर दी गई। हत्या से पहले बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने की आशंका है। इस मामले में पुलिस अभी दो संदिग्धों से पूछताछ कर रही है।

बच्ची के माता-पिता निर्माणाधीन मॉल में ही कामगार हैं। कल शुक्रवार शाम करीब 7 बजे उसे अंतिम बार देखा गया था। उसके बाद बच्ची का कुछ पता नहीं चला। रात 10 बजे तक बच्ची जब वापस नहीं आई तो उसकी खोजबीन शुरू की गई। बताया कि रात एक बजे पुलिस को बच्ची की गुमशुदगी की सूचना दी गई। इसके बाद रात में ही निर्माणाधीन मॉल में ही बच्ची का शव लहूलुहान हालत में बरामद हुआ है। परिजनों के अनुसार, बच्ची का शव निर्माणाधीन मॉल के बेसमेंट में मिला है। उनका आरोप है कि बच्ची के शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं। कार्यवाहक एसीपी नंदग्राम प्रियाश्री पाल का कहना है कि बच्ची के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही दुष्कर्म की पुष्टि होगी। मामले में दो संदिग्ध से पूछताछ की जा रही है।

मेट्रो एंकर | दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल भी हैं लैस

समुद्र में बढ़ेगी दुश्मनों की टेंशन, नौसेना में शामिल हुआ INS महेंद्रगिरि

विशाखापत्तनम। एजेंसी

भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत और मारक क्षमता में आज एक ऐतिहासिक इजाफा हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापत्तनम डॉकयार्ड में आयोजित एक भव्य समारोह में स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरि को आधिकारिक तौर पर नौसेना के बेड़े में कमीशन कर दिया है। यह भारतीय नौसेना के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 17 ए का छठा युद्धपोत है। कमीशनिंग समारोह के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को नौसेना द्वारा 'गार्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया। इस विशेष अवसर पर नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन भी उनके साथ मौजूद रहे। रक्षा मंत्री शुक्रवार शाम को ही इस अहम कार्यक्रम के लिए विशाखापत्तनम पहुंच गए थे। आईएनएस महेंद्रगिरि केवल एक जहाज नहीं, बल्कि

समुद्र में तैरता हुआ एक अभेद्य किला है। यह युद्धपोत अत्याधुनिक स्वदेशी हथियारों, एडवांस सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर प्रणालियों से पूरी तरह लैस है। विशाखापत्तनम के कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि महेंद्रगिरि हवा, समुद्र की सतह और पानी के नीचे (पनडुब्बी) से आने वाले किसी भी खतरे से एक साथ निपटने में सक्षम है। मारक क्षमता को और घातक बनाने के लिए इसे सतह से सतह पर मार करने वाली दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल से भी लैस किया जा सकता है। युद्ध अभियानों के अलावा, इस युद्धपोत को समुद्री सुरक्षा, सर्च एंड रेस्क्यू मिशन, मानवीय सहायता और आपदा राहत जैसे महत्वपूर्ण शांति अभियानों को कुशलतापूर्वक अंजाम देने के लिए भी डिजाइन किया गया है।इस अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट का नाम ओडिशा में स्थित पूर्वी घाट की महेंद्रगिरि पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है। नौसेना के अनुसार, यह पर्वत श्रृंखला दृढ़ता, असीम ताकत और अटूट संकल्प का प्रतीक है, और ठीक यही गुण इस युद्धपोत में भी समाहित हैं। इस नाम को धारण करने वाला यह पहला भारतीय नौसैनिक युद्धपोत है, जो अपने आप में अनूठा है। नौसेना के शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि आईएनएस महेंद्रगिरि भारत के समुद्री इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ेगा और देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा में एक मजबूत दीवार साबित होगा।

75% स्वदेशी तकनीक से बनी आत्मनिर्भर भारत की मिसाल

आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो द्वारा पूरी तरह से स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया है और इसका निर्माण मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने किया है। यह युद्धपोत स्वदेशी जहाज निर्माण में भारत की लगातार बढ़ती विशेषज्ञता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इस स्टील्थ फ्रिगेट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरणों और तकनीक का उपयोग किया गया है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, इसके निर्माण में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों सहित बड़ी संख्या में भारतीय उद्योगों ने अपना योगदान दिया है। इससे न केवल भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल को भारी सफलता मिली है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564